CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-19
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जब तक तुममें ईमानदारी, भक्ति और विश्वास है,
तब तक प्रत्येक कार्य में तुम्हें सफलता मिलेगी.

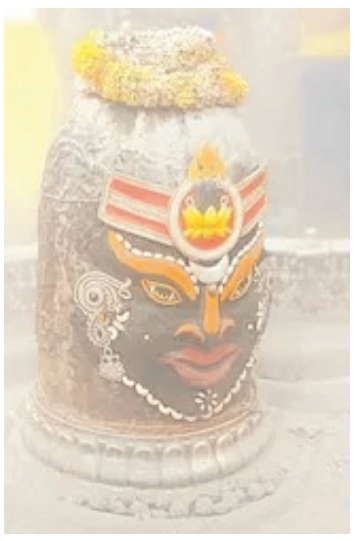

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

सबसे बड़ा एक्शन...छत्तीसगढ़ में 10 हजार जवानों ने 1000 नक्सलियों को घेरा

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलवादियों पर अब तक का सबसे बड़ा प्रहार किया गया है। यहां 10 हजार सुरक्षाबलों ने करीब एक हजार नक्सलवादियों को घेर लिया है। नक्सलवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ की शुरुआत हो गई है, जो अगले कुछ दिनों तक चल सकती है। खबर लिखे जाने तक करीब आधा दर्जन नक्सली मारे जा चुके हैं और ऑपरेशन खत्म होने तक यह आंकड़ा बहुत बड़ा हो सकता है। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने कुछ नक्सलियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से लगे पड़ोसी राज्य तेलंगाना की सीमा पर नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए भेजा गया था। अधिकारी ने बाया कि यह अभियान बस्तर क्षेत्र में शुरू की गई सबसे बड़ी नक्सल विरोधी कार्रवाई में से एक है। इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), बस्तर फाइटर्स, विशेष कार्य बल (एसटीएफ), राज्य पुलिस की सभी इकाइयों, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और इसकी विशिष्ट इकाई कोबरा सहित विभिन्न इकाइयों के लगभग 10 हजार जवान शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना पुलिस भी इस अभियान में सहायक भूमिका में है।

बटालियन नंबर एक पर आई आफत अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के सबसे मजबूत सैन्य संगठन बटालियन नंबर एक के वरिष्ठ कैडरों और माओवादियों की तेलंगाना राज्य समिति की मौजूदगी के बारे में मिली सूचना के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया है। यह अभियान लगातार कुछ दिनों तक चलेगा। अधिकारियों ने बताया कि घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा यह इला

निशाने पर हिडमा और देवा जैसे नक्सली यह बड़ी कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद को खत्म करने के लिए समय सीमा तय करने के बाद शुरू हुई है। ऑपरेशन 48 घंटे से अधिक समय से चल रहा है। पूरी कार्रवाई खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू की गई थी। जानकारी मिली थी कि टॉप नक्सली नेता, जैसे कि मोस्ट वांटेड कमांडर हिडमा और बटालियन चीफ देवा वहां मौजूद हैं।सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया है। उन्होंने करेगुट्टा पहाड़ियों को घेर लिया है। यह इलाका छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर है। घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा यह इलाका माओवादियों के बटालियन नंबर 1 का बेस माना जाता है। अब आमने सामने से मुकाबला जारी है। का माओवादियों की बटालियन नंबर एक का आधार क्षेत्र बताया जाता है।

नक्सलियों ने जारी किया था प्रेस नोट कुछ दिन पहले नक्सलियों ने एक प्रेस नोट जारी किया था। उन्होंने ग्रामीणों को पहाड़ियों में नहीं जाने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा था कि इलाके में बड़ी संख्या में आईईडी लगाए गए हैं। सरकार भारत को माओवादी-मुक्त बनाने को प्राथमिकता दे रही है। यह कार्रवाई उसी का हिस्सा है। सुरक्षा बलों को भी भारी संख्या में आईईडी मिले थे।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण मामले में जारी किया नोटिस

निगरानी नहीं होने से धोखाधड़ी करने वाले मोबाइल एप पहुंच रहे लोगों तक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में नोटिस जारी किया है। यह मामला कम्प्यूटर और मोबाइल एप की निगरानी के लिए एक नियामक एजेंसी बनाने की मांग से जुड़ा है। कोर्ट ने इस मामले में जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि एजेंसी न होने से धोखाधड़ी करने वाले एप लोगों तक पहुंच रहे हैं। चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की बेंच ने इस पर सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया है। अगली सुनवाई 6 सप्ताह बाद होगी।

दरअसल, जबलपुर के वकील अमिताभ गुप्ता ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इस याचिका में उन्होंने कम्प्यूटर और मोबाइल एप की निगरानी के लिए एक नियामक एजेंसी बनाने की मांग की थी। उनका कहना है कि ऐसी एजेंसी न होने के कारण धोखाधड़ी करने वाले कम्प्यूटर और मोबाइल एप आसानी से लोगों तक पहुंच रहे हैं। याचिकाकर्ता ने बताया कि कम्प्यूटर और मोबाइल फोन में पहले से ही कई एप मौजूद होते हैं। इसके अलावा लोग गूगल प्ले स्टोर और अन्य एप स्टोर से भी एप डाउनलोड करते हैं। एप डाउनलोड करते समय, उपयोगकर्ता से एप के इस्तेमाल के लिए सहमति मांगी जाती है, जिसे वे दे देते हैं।

ऐसे हैकर चुरा लेते हैं जानकारी अमिताभ गुप्ता ने बताया कि कई बार कुछ एप वैध सॉफ्टवेयर के अंदर मैलवेयर छिपाते हैं। मैलवेयर एक तरह का हानिकारक सॉफ्टवेयर होता है। यह गूगल प्ले और एप्पल एप स्टोर जैसे सुरक्षा जांच प्लेटफॉर्म को भी चकमा देने में सफल हो जाते हैं। ऐसे एप्लीकेशन अक्सर स्पाइवेयर के रूप में काम करते हैं। स्पाइवेयर वो सॉफ्टवेयर है जो चुपके से यूजर का डेटा चुराता है। याचिका में कहा गया है कि ये एप यूजर की संवेदनशील जानकारी, जैसे बैंकिंग डिटेल्स, क्रेडिट कार्ड नंबर, फोटो और वीडियो जैसी जानकारी हैक कर लेते हैं।

नियामक एजेंसी की मांग याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि नियामक एजेंसी न होने के कारण धोखाधड़ी करने वाले एप जनता तक पहुंच रहे हैं। इससे लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो रहा है, उनकी पहचान चोरी हो रही है और उनकी गोपनीयता का उल्लंघन हो रहा है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अमिताभ गुप्ता ने खुद अपना पक्ष रखा।

इनसे मांगा गया जवाब याचिका में कई लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। इनमें सचिव और निदेशक, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, महानिदेशक, उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र पुणे, गूगल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एप्पल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्रेस्टीज मिन्स्क स्क्वायर म्यूनिसिपल, माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड मुंबई और जियाओमी टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

रतलाम के पांच लाख के इनामी कट्टरपंथी फिरोज को जयपुर ले गई एनआईए

भोपाल। जयपुर में सीरियल धमाके की साजिश रचने वालों में शामिल रतलाम निवासी फिरोज खान को एनआईए की विशेष टीम भोपाल केंद्रीय जेल से लेकर जयपुर रवाना हो गई। एनआईए सीरियल धमाके की साजिश रचने के मामले की जांच कर रही है और दस कट्टरपंथियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। फिरोज मध्यप्रदेश के रतलाम का रहने वाला है और अपने गांव में खेतों में बड़े-बड़े गड्ढे खोदकर बंकर जैसा बनाकर उसमें भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक छिपा रखा था। फिरोज सहित आधा दर्जन से अधिक कट्टरपंथी अलसुफा संगठन में शामिल थे और फिरोज खान उस संगठन का खजांची का पद संभालता था। एनआईए मार्च 2022 से फिरोज खान की तलाश कर रही थी, लेकिन वह फरार था। जयपुर एनआईए ने उस पर पांच लाख का इनाम घोषित किया था। बीते 3 अप्रैल को रतलाम एसपी अमित कुमार की अगुवाई में गठित विशेष टीम ने उसे रतमाल में उस समय गिरफ्तार किया था, जब वह बहन के घर ईद मनाने पहुंचा था। एनआईए का वांछित अपराधी होने के कारण रतलाम जेल में सुरक्षा की व्यवस्था कम होने के कारण उसे पांच अप्रैल को भोपाल केंद्रीय जेल शिफ्ट किया गया था। 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में राजस्थान पुलिस ने 12 किलो विस्फोटक सामग्री के साथ जुबेर निवासी आनंद कॉलोनी, अल्तमस पुत्र बशीर खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला पुत्र रमजानी निवासी शेरानीपुरा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद सात अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया था। सभी आरोपी कट्टरपंथी संगठन अल सुफा ग्रुप से जुड़े थे। पूर्व में गिरफ्तार किए गए 10 आरोपी जयपुर की जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ न्यायालय में चालान भी पेश किया जा चुका है। इसी मामले में फिरोज खान फरार था। उसे गिरफ्तार करने के लिए जयपुर एनआईए ने पांच लाख का इनाम घोषित किया था।

मध्यप्रदेश को मिली पहली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन

नंबर 05595 ट्रेन आज इटारसी पहुंचेगी

भोपाल। रेलवे प्रशासन ने आम यात्रियों के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें शुरू की हैं। इन ट्रेनों में आरामदायक यात्रा के लिए आधुनिक सुविधाएं होंगी और किराया भी कम होगा। मध्यप्रदेश की पहली और देश की तीसरी अमृत भारत ट्रेन, जिसका नंबर 05595 है, सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के बीच चलेगी। यह ट्रेन इटारसी स्टेशन से होकर जाएगी। यह स्पेशल सर्विस 24 अप्रैल को सहरसा से शुरू हुई। ट्रेन में आधुनिक सुविधाएं, आरामदायक सीटें और दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्था है। ट्रेन नंबर 05595, अमृत भारत एक्सप्रेस, 24 अप्रैल (गुरुवार) को सुबह 11.40 बजे सहरसा स्टेशन से रवाना हुई। यह 25 अप्रैल सुबह 10.50 बजे इटारसी स्टेशन पहुंचेगी और रात 11.30 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। ट्रेन कई स्टेशनों पर रुकेगी। इनमें सहरसा जंक्शन, खगड़िया जंक्शन, सलोना, हसनपुर रोड, समस्तीपुर जंक्शन, मुजफ्फरपुर जंक्शन, हाजीपुर जंक्शन, सोनपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, मिजार्पुर, प्रयागराज छिवकी, मानिकपुर जंक्शन, सतना, जबलपुर, इटारसी जंक्शन, भुसावल जंक्शन, जलगांव जंक्शन, नासिक रोड, कल्याण जंक्शन, ठाणे और लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशन शामिल हैं।

इस ट्रेन में कुल 22 डिब्बे हैं। इनमें 8 स्लीपर क्लास, 11 जनरल क्लास, 2 एसी कोच और 1 पेंट्री कार है। अमृत भारत एक्सप्रेस को रेल यात्रा को आधुनिक बनाने के लिए बनाया गया है, लेकिन इसका किराया आम लोगों के बजट में ही रहेगा। इस नई सेवा में यात्रियों के लिए बेहतर सीटिंग और अन्य सुविधाएं होंगी।

रेलवे प्रशासन ने इन कोचों में यात्रियों के लिए कई खास चीजें जोड़ी हैं। सीटों में अच्छी कुशनिंग होगी, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट होंगे, एलईडी लाइटें होंगी और हवा आने के लिए बेहतर व्यवस्था होगी। कोच इस तरह बनाए गए हैं कि दिव्यांगजन भी आराम से यात्रा कर सकें। उनके लिए सामान रखने की भी अलग जगह होगी। सुरक्षा के लिए आधुनिक ब्रेकिंग सिस्टम और सुरक्षित दरवाजे लगाए गए हैं। ट्रेन अच्छी स्पीड से चलेगी और यात्रियों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा कराएगी। यात्रा के दौरान बड़े स्टेशनों पर ट्रेन की जांच भी की जाएगी।

ट्रंप से ट्रेड डील पर साइन करने वाला पहला देश बन सकता है भारत

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगाए रेसिप्रोकल टैरिफ से आए वैश्विक संकट के बीच भारत के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। भारत जल्द ही अमेरिका के साथ बिलेटरल ट्रेड डील पर दस्तखत करने वाला पहला देश बन सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इस संकेत के साथ कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता अंतिम चरण में है।अगर यह डील तय हो जाती है, तो भारत ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ नीति से बचने वाला पहला देश बन जाएगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत का दौरा कर चुके हैं। अमेरिका फिलहाल भारत के निर्यात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा है, लेकिन 26 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाने की चेतावनी दे चुका है, जिसे 90 दिनों के लिए स्थगित किया गया है और यह 8 जुलाई को खत्म हो रहा है। बेसेंट ने वॉशिंगटन में एक राउंडटेबल बातचीत में कहा कि भारत के पास ऊंचे टैरिफ नहीं हैं, गैर-टैरिफ अड़चनें भी कम हैं। न कोई करंसी मैनिपुलेशन है और न ही भारी सब्सिडी ऐसे में भारत से डील करना अपेक्षाकृत आसान है। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस भी जयपुर दौरे पर भारत से बाजार खोलने, अमेरिकी एनर्जी और डिफेंस प्रोडक्ट्स की खरीद बढ़ाने की मांग कर चुके हैं। अमेरिका का 2024 में भारत से व्यापार घाटा 45.7 अरब डॉलर था।

मप्र के परिवार धड़ाधड़ कैंसिल करा रहे कश्मीर का टूर

मई की 60% बुकिंग रद्द होने की कगार पर, ट्रैवल एजेंट बोले- अब कश्मीर टूरिज्म को प्रमोट नहीं करेंगे

इंदौर/ भोपाल। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद मध्यप्रदेश के लोग डरे हुए हैं। जिन परिवारों ने कश्मीर घूमने का प्लान बनाया था, वे अब उसे रद्द कर रहे हैं। हवाई टिकट कैंसिल हो रहे हैं। ट्रेन टिकट तो इससे भी ज्यादा कैंसिल हुए हैं। लोग हमले के बाद कश्मीर जाने में डर रहे हैं। कई लोगों ने मई की शुरुआत के लिए रेलवे और एयरलाइंस से टिकट बुक कराए, लेकिन अब वे अपनी यात्रा रद्द कर रहे हैं। ट्रैवल एजेंसियों का कहना है कि मई में कश्मीर के लिए हुई बुकिंग में से लगभग 60 फीसदी कैंसिल हो सकती हैं। इस घटना से कश्मीर के पर्यटन पर बुरा असर पड़ सकता है। श्रीनगर, गुलमर्ग और सोनमर्ग जैसे शहरों में होटलों और होमस्टे की बुकिंग कैंसिल हो रही है। ट्रांसपोर्ट एजेंटों का कहना है कि कई लोग कश्मीर के लिए बुक किए गए टिकट कैंसिल करा रहे हैं। ट्रैवल एजेंसियां लोगों को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसी जगहों पर घूमने जाने का सुझाव दे रही हैं। टूर ऑपरेटरों का कहना है कि कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन फिर भी लोग वहां जाने से डर रहे हैं।

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन के मुताबिक इंदौर से श्रीनगर जाने वाले बहुत सारे पर्यटकों ने अपने आगामी टूर निरस्त करवाए हैं। होटल बुकिंग और अन्य ट्रिप प्लान भी कैंसिल किए हैं। कई लोग अपनी यात्रा मई के अंत या जून तक के लिए टाल रहे हैं। जो पर्यटक पहले से श्रीनगर में हैं, वे किसी भी कीमत पर इंदौर लौटना चाहते हैं। कई लोग कह रहे हैं कि चाहे जितना किराया लगे, लेकिन सीट मिलनी चाहिए।

भोपाल-इंदौर में हुई थी बंपर बुकिंग बताया जा रहा है कि इस बार मध्यप्रदेश के पर्यटकों ने भी कश्मीर घूमने के लिए बंपर बुकिंग कराई थी, लेकिन पहलगाम आतंकी घटना के बाद अब टूरिस्ट सिर्फ अप्रैल ही नहीं, मई और जून की बुकिंग भी कैंसिल कराने में लगे हैं। बताया जा रहा है कि ज्यादातर लोगों ने 1 मई के बाद कश्मीर घूमने का प्लान बनाया था। क्योंकि अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो रही थी, जबकि माता वैष्णोदेवी के लिए भी बड़ी संख्या में भक्त जाते हैं। लेकिन अब ज्यादातर लोगों ने वहां जाने का प्लान कैंसिल कर दिया है। क्योंकि पहलगाम की घटना ने लोगों के अंदर न केवल डर बैठाया है बल्कि वह अपने लोगों को खोने से दुख में भी है।

इंदौर से बड़ी संख्या में टूर हुए रद्द ट्रैवल एजेंट महेंद्र सिंह के मुताबिक उनके पास देश की बड़ी कंपनी की फ्रेंचाइजी है। इस माह इंदौर से तीन बड़े ग्रुप का कश्मीर टूर बुक किया था। 10 और 16 सदस्यों वाले नागपुर के दो ग्रुप ने पैकेज कैंसिल कर दिया। महेंद्र सिंह की कंपनी का श्रीनगर में टूरिज्म का काम देखने वाले फैयाज अहमद के मुताबिक घटना से स्थानीय लोग विचलित हैं। पर्यटकों को निशाना बनाने से घाटी में पर्यटन बुरी तरह प्रभावित होगा। कश्मीर की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार पर्यटन है। होटल, रिसॉर्ट, ट्रांसपोर्ट समेत अन्य लोगों की गर्मी के 4 माह में इतनी कमाई होती थी कि सालभर काम चल जाता था। अब रोजी-रोटी पर भी संकट हो सकता है।

छिंदवाड़ा में 50 बुकिंग कैंसिल छिंदवाड़ा की एक नामी ट्रैवल एजेंसी ने कश्मीर के के टूर को निरस्त कर दिया है। ट्रैवल एजेंसी ने यह जानकारी सोशल मीडिया पर दी। एजेंसी सचालक ने बताया कि आप सबको सूचित किया जा रहा है कि हमने हमारा कश्मीर टूर कैंसिल कर दिया हैं। 50 लोगों की बुकिंग हुई थी। सभी की बुकिंग कैंसिल कर दी है। आने वाले समय में कश्मीर टूरिज्म को प्रमोट या उधर की कोई जानकारी पोस्ट नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर मेरे पास कंटेंट की कमी होने भी लगी तो भले इंटरनेशनल टूरिज्म के बारे में आर्टिकल पोस्ट करना पड़े तो करेंगे। मगर, जहां हमारे अपनों के खून के छीटें बिखरे हो उसे बिल्कुल प्रमोट नहीं करेंगे।

बंदरों से परेशान खरगोन कलेक्टर ने इंदौर डीएफओ से मांगी मदद

इंदौर। खरगोन में बंदरों के एक झुंड ने कलेक्टर जैसे आला अधिकारी से लेकर एसपी और डीएफओ के बंगलों तक में उत्पात मचा रखा था। ये बंदर तोड़फोड़ करने के साथ सामान ले जाते और लोगों को काटने के लिए दौड़ते हैं। परेशान होकर कलेक्टर ने इंदौर डीएफओ को फोन किया और मदद मांगी। इंदौर से रेस्क्यू टीम आई। टीम ने दो दिन तक कोशिश की पिंजरे भी लगाए लेकिन बंदर नहीं पकड़े

गए। आखिर में दो बंदरों को बेहोश करके पकड़ा गया और जंगल में छोड़ दिया गया। बाकी बंदर भाग गए। कलेक्टर ने इंदौर डीएफओ प्रदीप मिश्रा से बंदरों को पकड़ने का अनुरोध किया था। खरगोन में बंदरों के आतंक से अफसर परेशान थे। बंदरों का झुंड कभी भी बंगलों में घुस जाता था। वे सामान तोड़ देते थे, चीजें उठाकर ले जाते थे और लोगों को डराते थे। बंदरों की इन हरकतों से तंग आकर कलेक्टर भव्या मित्तल ने इंदौर डीएफओ को फोन लगाया। उन्होंने डीएफओ से मदद मांगी ताकि बंदरों को पकड़ा जा सके।

इंदौर से खरगोन पहुंची रेस्क्यू टीम

इंदौर संभाग में जंगली जानवरों को बचाने वाली टीम इंदौर में ही थी। कलेक्टर के अनुरोध पर टीम को खरगोन भेजा गया। टीम को कहा गया कि वे बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़ दें। टीम दो दिन तक खरगोन में अफसरों के बंगलों के आसपास घूमती रही। उन्होंने बंदरों को पकड़ने के लिए पिंजरे भी लगाए। लेकिन चालाक बंदर पिंजरों के पास भी नहीं आए। वे दूर से ही टीम को देखते रहे और भाग जाते थे।

बेहोश कर बंदरों को पकड़ा गया

आखिर में टीम ने बंदरों को बेहोश करने का फैसला किया। उन्होंने ट्रेंक्यूलाइज गन का इस्तेमाल किया। ट्रेंक्यूलाइज गन एक ऐसी बंदूक होती है जिससे जानवरों को बेहोश करने वाली दवा का इंजेक्शन लगाया जाता है। टीम ने दो बंदरों को बेहोश कर दिया। फिर उन्हें पिंजरों में बंद कर दिया गया। बाद में उन बंदरों को जंगल में छोड़ दिया गया। अपने साथियों को बेहोश देखकर बाकी बंदर डर गए और भाग गए। कलेक्टर, एसपी और डीएफओ के बंगले लगभग 500 मीटर की दूरी पर हैं। बंदरों ने अन्य अफसरों के घरों में भी नुकसान पहुंचाया था। एसडीओ योहान कटारा के निर्देशन में रेस्क्यू दल को खरगोन भेजा गया था। बंदरों पर कार्रवाई के बाद अधिकारी राहत की सांस ले रहे हैं।

आईटी कॉन्क्लेव 2025 में गूगल-माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया जैसी कंपनियां करेंगी शिरकत

इंदौर बनेगा आईटी का सुपरपावर

इंदौर। इंदौर में 27 अप्रैल को आयोजित होने जा रहे मध्य प्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 में देश-विदेश की आईटी दिग्गज कंपनियों की भागीदारी देखने को मिलेगी। मध्यप्रदेश सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कॉन्क्लेव में गूगल, माइक्रोसॉफ्ट और एनवीडिया जैसी नामचीन कंपनियां शिरकत करेंगी। इस आयोजन का उद्देश्य ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) 2025 में की गई निवेश घोषणाओं को धरातल पर उतारना है। इस कॉन्क्लेव में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर पंचशील टेक्नो पार्क प्रोजेक्ट का शुभारंभ करेंगे। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के अंतर्गत 10 एकड़ भूमि पर 20 लाख वर्गफुट क्षेत्रफल में आईटी इमारत का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना में लगभग 1 हजार करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है, जिससे 15 हजार युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है। इसके अलावा सिंहासा आईटी पार्क में 120-सीटर इन्कयूबेशन सेंटर की शुरुआत भी मुख्यमंत्री के हाथों

होगी। इस कार्यक्रम में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और कास्टनेक्स जैसी दो नई कंपनियों का भी लोकार्पण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत 10,248 वर्गफीट क्षेत्र में 100 स्टार्टअप्स के लिए इन्कयूबेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी।

'टेक डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश' फिल्म का होगा प्रदर्शन

आईटी कॉन्क्लेव के दौरान शाम को एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्यूरेट की गई विशेष फिल्म 'टेक डेस्टिनेशन मध्यप्रदेश' दिखाई जाएगी। इस फिल्म के जरिए राज्य के तकनीकी विकास की कहानी को दर्शाया जाएगा। फिल्म प्रदर्शन के उपरांत नीतिगत घोषणाएं की जाएंगी और मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) की कॉफी टेबल बुक का भी अनावरण किया जाएगा। साथ ही, उत्कृष्टता केंद्रों, इन्कयूबेशन हब, सॉफ्टवेयर विकास सुविधाओं और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर नोडल का उद्घाटन भी इसी सत्र में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री करेंगे उद्योगपतियों से वन-टू-वन चर्चा

आईटी कॉन्क्लेव के समापन सत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव देश की प्रमुख आईटी कंपनियों के प्रतिनिधियों और उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में सभी निवेश परियोजनाओं की वास्तविक समय में निगरानी और सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को एंड-टू-एंड सपोर्ट दिया जाएगा, जिससे परियोजनाओं की प्रगति को ट्रैक करना आसान होगा।

ये कंपनियां करेंगी शिरकत

मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) इंदौर के स्टॉफ महाप्रबंधक एवं नोडल अधिकारी द्वारकेश कुमार सराफ ने बताया कि दुनिया की शीर्ष कंपनियां यहां आएंगी। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, एनवीडिया, सीमंस ईडीए, एएनएसआर, थोलोन्स, योटा इन्फ्रास्ट्रक्चर, सीटीआर एलएस, रैक बैंक, नेट लिंक, इन्फो-बीन्स, डेटा इंजीनियस, बलकेनैस टेक्नोलॉजी, एचएल बीएस टेक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), पंचशील रियल्टी, एम्बर इंटरप्राइजेज, केदार कैपिटल, बोस्टन इंडिया, प्राइमस पार्टनर्स, वीएलएस आई सोसाइटी ऑफ इंडिया, कर्नाटक डिजिटल इकोनॉमी मिशन (केडीईएम), इम्पिटस टेक्नोलॉजीस, अपॉइंटी, यश टेक्नोलॉजीस प्रमुख हैं।

सूदखोरों से परेशान पुलिसकर्मी ने जहर खाकर कर ली आत्महत्या

इंदौर। इंदौर में सूदखोरों से परेशान होकर एक पुलिसकर्मी ने सुसाइड कर लिया, पुलिसकर्मी ने घर के पास जहर खा लिया तत्काल उसे अस्पताल ले जाया गया लेकिन यहां पर उसकी मौत हो गई। पुलिसकर्मी का नाम नितेश था जो एरोड्रम इलाके में फर्स्ट बटालियन में पदस्थ था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि नितेश ने आकाश और अर्जुन नाम के लोगों से 5 लाख रुपए लिए थे। लेकिन उससे 25 लाख रुपए वापस मांगे जा रहे थे। नितेश के चाचा कमल का कहना है कि अर्जुन और आकाश से नितेश ने 5 लाख का कर्ज लिया था। इसके बाद अर्जुन और आकाश उसको परेशान कर रहे थे फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह के मुताबिक आरक्षक नितेश वर्मा को ऑनलाइन गेम खेलने का शौक था, इससे उस पर कर्ज हो गया था। इसके चलते उसने सूदखोरों से कर्ज ले लिया था। सूदखोर अब चार गुना रुपए मांग रहे थे। परिवार के बयानों के बाद मामले में आगे कार्रवाई की जाएगी। नितेश के पिता ने बताया, अर्जुन और आकाश ब्याज पर पैसे देते हैं। बेटा हर महीने उन्हें ब्याज की राशि भी दे रहा था। इसके बाद भी उन्होंने राशि लौटाने का कुबूलनामा करवाते हुए वीडियो बनाया था, जिसे वायरल करने की धमकी दी जाती थी। नितेश के चाचा कमल ने बताया, जरूरत पड़ने पर नितेश ने अर्जुन और आकाश से 5 लाख का कर्ज लिया था। वीडियो वायरल करने की धमकी से तंग आकर नितेश ने सुसाइड कर लिया। वह 12 साल से पुलिस की नौकरी में था। उसकी पत्नी नेहा गृहिणी है और 6 साल का एक बेटा भी है। नितेश दो बहनों का इकलौता भाई था।

पश्चिमी क्षेत्र में फायर सेफ्टी जांचने खुद पहुंचे निगमायुक्त

इंदौर। इंदौर शहर के पश्चिमी क्षेत्र में गुरुवार को नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने पुराने बाजारों का दौरा किया। आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को आने में होने वाली बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही कई जगहों पर दुकानों के बाहर अतिक्रमण देखकर दुकानदारों से इसे हटाने के लिए कहा।

दरअसल, बुधवार को नगर निगम आयुक्त ने कपड़ा और सराफा व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ फायर सेफ्टी को लेकर चर्चा की थी। इसके बाद गुरुवार दोपहर आयुक्त ने कपड़ा मार्केट, सराफा मार्केट और राजवाड़ा के आसपास के मार्केट का दौरा किया। इस दौरान व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारी, कई व्यापारी, नगर निगम और फायर सेफ्टी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी मौजूद रहे। आयुक्त ने संकरे रास्तों और अन्य समस्याओं का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इंदौर रिटेल गारमेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अक्षय जैन ने सराफा थाने के पास बने सुलभ शौचालय की शिकायत की। मार्केट में वाहनों की आवाजाही और पार्किंग की समस्या को लेकर भी चर्चा की गई। आयुक्त ने बाजार में फैले बिजली और केबल के तारों के जाल का भी जायजा लिया।

पूरे शहर में की जा रही कार्रवाई

आयुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि फायर सेफ्टी को लेकर पूरे शहर में कार्रवाई की जा रही है और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जगह-जगह फायर मॉक ड्रिल आयोजित की जा रही है। क्लॉथ मार्केट हमेशा से एक क्रिटिकल पॉइंट रहा है। यहां पहले भी आग लगने की घटनाएं हो चुकी हैं। संकरे रास्ते, तारों का जाल और भीड़-भाड़ के कारण यह इलाका संवेदनशील है। आयुक्त ने कहा कि सड़कों पर जो बाधाएं हैं, जिनके कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को आने-जाने में परेशानी होती है, उन्हें जल्द हटाया जाएगा। दुकानों के बाहर जो अतिक्रमण है, उसे भी हटाया जाएगा। सभी दुकानदारों और एसोसिएशन के पदाधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि बाजार में लगे अनुपयोगी तारों को हटाया जाए और जो डेंजर पोजिशन (डीपी) में हैं, उन्हें भी शिफ्ट किया जाए।

नए स्थान पर पार्किंग की संभावना की तलाश

निगमायुक्त ने कहा कि बाजार में वाहन अधिक संख्या में रहते हैं, इसलिए मौजूदा पार्किंग सुविधाओं का बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। नए स्थान पर पार्किंग की संभावना भी तलाशी जा रही है। इसके अलावा, एक काफी पुराना कुआं देखा गया है। उसे पुनर्जीवित किया जाएगा। यहां हाईड्रेंट भी लगाया जाएगा, ताकि आग लगने की स्थिति में गाड़ियों को पानी उपलब्ध हो सके। आने वाले समय में इन पर काम किया जाएगा और नए आइडियाज के साथ कार्य योजना बनाई जाएगी।

सायबर ठगों ने डॉक्टर साहब को लगाया 3 करोड़ का 'इंजेक्शन'

इंदौर। इंदौर में एक बड़े साइबर अपराध का मामला सामने आया है। एक डॉक्टर को ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाया गया है। ठगों ने डॉक्टर से 3 करोड़ से ज्यादा रुपये की ठगी की। डॉक्टर ने अपराध शाखा में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस अब ठगी करने वालों और बैंक खाते देने वालों की तलाश कर रही है। ठगी की रकम अलग-अलग खातों में जमा कराई गई थी। पुलिस के अनुसार स्कीम-54 (विजयनगर) के रहने वाले डॉ. रुद्र कुमार गुप्ता के साथ यह धोखाधड़ी हुई। डॉ. गुप्ता शेयर बाजार में पैसा लगाने में रुचि रखते हैं। पिछले साल 5 सितंबर को टेलीग्राम ऐप पर प्रीति नाम की एक महिला ने उनसे संपर्क किया। प्रीति ने शेयर बाजार में निवेश और मुनाफे के बारे में बात की। डॉक्टर रुद्र उसकी बातों में आ गए। प्रीति ने उन्हें एक वेबसाइट का लिंक भेजा और रजिस्ट्रेशन करने को कहा। डॉक्टर रुद्र ने 12 सितंबर को अपनी मां और अपने नाम से रजिस्ट्रेशन कर लिया। प्रीति ने डॉक्टर को एक डायरेक्टर ग्रुप में भी शामिल किया। उन्हें कस्टमर कोड नंबर और आईडी भी दी गई। डॉक्टर ने पहले 10 हजार रुपये जमा किए और बदले में 10 हजार 535 रुपये निकाले। इससे उनका भरोसा बढ़ गया। फिर उन्होंने आरोपियों के कहने पर धीरे-धीरे तीन करोड़ 23 लाख 38 हजार रुपये जमा कर दिए।

पोर्टफोलियो भी बनाया ताकि विश्वास बना रहे

डॉक्टर के लिए एप पर एक पोर्टफोलियो भी बनाया गया था। उसमें शेयर बाजार की तरह उतार-चढ़ाव भी दिखते थे। डॉक्टर को करोड़ों रुपये का मुनाफा दिख रहा था। लेकिन, जब उन्होंने एक करोड़ रुपये निकालने की कोशिश की तो प्रीति और कस्टमर केयर ने उनसे गेन टैक्स, करंसी एक्सचेंज और आयकर टैक्स मांगा। डॉक्टर को शक हुआ। उन्होंने अपराध शाखा के डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी और एडीसीपी राजेश दंडोतिया से शिकायत की। एसआई सीटू जरिया ने जांच की तो पता चला कि पैसे अलग-अलग राज्यों के खातों में भेजे गए थे। पुलिस ने मंगलवार को अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस अब प्रीति और उसके साथियों की तलाश कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस ठगी में और कितने लोग शामिल हैं। पुलिस लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचने के लिए जागरूक कर रही है। पुलिस का कहना है कि किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर ऑनलाइन पैसे न जमा करें।

सड़क किनारे नहीं अब साफ-सुथरे फिश पार्लर में मिलेगी मछली

इंदौर। नगर निगम एवं मत्स्य विभाग के संयुक्ततत्वावधान में शहर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त फिश पार्लर निर्माण की योजना पर काम चल रहा है। शहर के अलग-अलग इलाकों में 37 फिश पार्लर खुलने वाले हैं। नगर निगम ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है और इसके लिए जगह-जगह संभावित लोकेशन देखी जा रही हैं। यह पहल शहर में स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित बाजार व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगी। सरकार की मछुआ समृद्धि योजना के तहत यह पहल की जा रही है। योजना का मकसद है कि मछली व्यापार को बढ़ावा मिले और लोगों को बाजार की भीड़से अलग, साफ-सुथरे पार्लर में ताजा मछली मिल सके। गुरुवार को कार्यवाहक महापौर राजेंद्र राठौर ने एमआईसी मेंबर अश्विनी शुक्ला और निगम अधिकारियों के साथ मिलकर शहर के कई हिस्सों का दौरा किया। ये टीम फिश पार्लर के लिए ऐसे स्पॉट देख रही है जहां भीड़ हो, जगह साफ हो और लोग आसानी से पहुंच सके। महापौर ने बताया कि इन पार्लरों में फ्रीजर, डिस्प्ले यूनिट और स्वच्छ विक्रय स्थल जैसे सभी जरूरी इंतजाम होंगे। मछली पालकों को यहां सीधे ग्राहकों तक अपनी मछली बेचने का मौका मिलेगा, जिससे उनकी कमाई बढ़ेगी और ग्राहक भी क्वालिटी के साथ संतुष्ट होंगे। फुटबॉल, बैडमिंटन और स्केटिंग के शौकीनों के लिए बंगाली चौराहे के पास, नए ब्रिज के नीचे 61 लाख की लागत से एक इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तैयार हो रहा है।

पहलगाम हमले के मृतकों को इंदौरवासियों ने केंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

इंदौर। अ.भा.जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप्स फेडरेशन (रजि) के तत्वावधान में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा और मृतकों के प्रति शांति हेतु कैंडल जलाकर गांधी प्रतिमा रीगल चौराहा इंदौर पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिनेश्वर जैन ने बताया कि हम आतंकवाद के खिलाफ है और अपने राष्ट्र के पक्षधर हैं। इस तरह के कायराना हमले की हम निंदा करते हैं और सरकार से आग्रह करते हैं कि इस तरह देश को कमजोर करने वाली ताकतों का पर्दाफाश करे और दोषियों को सख्त से सख्त सजा दे। इस प्रसंग पर शहर की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी,देश हित में कार्य करने वाले संगठन और नागरिक भारी संख्या में एकत्रित हुए। युवा भाजपा नेता पूर्व पार्षद दीपक जैन टीनू ने कड़े शब्दों में इस घटना की भर्त्सना की और कहा कि हम मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं । श्वेताम्बर जैन महासंघ न्यास,जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप फेडरेशन,राष्ट्रीय जैन फाउंडेशन ट्रस्ट,सहित अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधि श्रद्धांजलि सभा में मौजूद रहे।

मप्र में किन्नरों का जबरन धर्मांतरण!

-'सोनम' और 'पायल' गुट के बीच जमकर हुआ विवाद

इंदौर। इंदौर जिले में किन्नर समाज के भीतर लंबे समय से विवाद चल रहा है। इस विवाद ने गुरुवार को एक बार फिर से तूल पकड़ लिया। शहर के पंढरीनाथ थाना क्षेत्र में किन्नरों के दो गुटों सोनम गुट और पायल गुट के बीच विवाद हो गया। सोनम गुट के सदस्यों ने पायल गुट पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और मारपीट करने का गंभीर आरोप लगाया है। विवाद के चलते सोनम गुट से जुड़े कई किन्नर गुरुवार सुबह थाने पहुंच गए। और वहां जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने थाने का घेराव करते हुए आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसीपी हेमंत चौहान ने मौके पर पहुंचकर किन्नरों से मुलाकात की। और लिखित शिकायत प्राप्त कर मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया।

प्रदर्शन में शामिल सपना गुरु ने एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पायल गुट के सदस्य उन्हें

इस्लाम धर्म अपनाने के लिए बाध्य कर रहे हैं। और न मानने पर शारीरिक हिंसा कर रहे हैं। वहीं, पुलिस का कहना है कि इस विवाद की जड़ें दो साल पुरानी एक घटना से जुड़ी हैं। जिसमें विजय नगर क्षेत्र में दर्ज एक गंभीर अपराध के आरोपी को हाल ही में हिरासत में लिया गया है। उसी सिलसिले में भी कुछ किन्नर थाने पहुंचे थे।

क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात

थाने से लौटने के बाद किन्नर समुदाय ने नंदलालपुरा क्षेत्र में अपने घरों के बाहर धरना दिया। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस बल तैनात कर दिया है। बता दें कि सोनम और पायल गुटों के बीच पूर्व में भी कई बार टकराव हो चुका है। दोनों गुट एक-दूसरे के खिलाफ पहले भी कानूनी कार्रवाई करवा चुके हैं। फिलहाल, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पहले से चल रही रंजिश

एसीपी चौहान के मुताबिक दो वर्ष पूर्व विजय नगर क्षेत्र में एक घटना हुई थी, उस में धारा 307 का केस दर्ज किया था। आरोपी फरार चल रहा था, जिसे हिरासत में लिया गया है। उसको लेकर भी यह किन्नर थाने आए थे।

किन्नरों ने शिकायती आवेदन दिया है उस पर जांच का आश्वासन दिया है। बता दें कि किन्नरों के दो गुट में पहले से रंजिश चल रही है। दोनों एक-दूसरे पर पहले भी केस दर्ज करवा चुके हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

प्रदेश के सभी अंचलों में समान रूप से उद्यमिता का हो विस्तार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मुख्यमंत्री यादव ने नई दिल्ली में हुए भारत अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम को स्वर्ण पदक से पुरस्कृत होने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में हुए विक्रमोत्सव से क्षेत्रीय स्तर पर व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहन मिला है। प्रदेश के जिन क्षेत्रों में व्यापार मेले लगाए जा सकते हैं, उसका अध्ययन कर ट्रेड फेयर के लिए समेकित योजना बनाकर गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के माध्यम से प्रत्येक परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार अथवा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा सकते हैं। प्रत्येक जिले की परिस्थिति और उपलब्ध दक्षता के

अनुसार गतिविधियों का विस्तार किया जाये। तेल घानी, मसाला-आटा चक्की, कोदो-कुटकी व अन्य मिलेट की प्र-संस्करण इकाई जैसे सूक्ष्म उद्योगों से युवाओं को जोड़ते हुए सम्पूर्ण प्रदेश में समान रूप से उद्यमिता का विस्तार किया जाये। इसमें खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। कृषि उपज मंडियों को भी आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसमें दूध, सब्जी आदि को सुरक्षित रखने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, इसकी शुरूआत रतलाम से होगी। मुख्यमंत्री यादव ने यह निर्देश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की समीक्षा बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि विकसित भारत-विकसित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से सूक्ष्म स्तर पर उद्यमिता को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इस क्षेत्र में मध्यप्रदेश वर्तमान में देश में 7वें स्थान पर है, अगले वर्ष तक हमें प्रदेश को देश के श्रेष्ठतम राज्यों में स्थान दिलाना है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि वर्ष-2025 को उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। दो माह के अंतराल में राज्य के अलग-अलग अंचलों में उद्योग-रोजगार दिवस का आयोजन किया जाए। पॉवरलूम सहित अन्य परम्परागत उत्पादन गतिविधियों को निरंतरता प्रदान करना आवश्यक है। इसी लिये विशेषज्ञों का सहयोग लेकर कौशल उन्नयन तथा तकनीकी दक्षता में सुधार के लिए क्षेत्रीय स्तर पर कैम्प आयोजित किये जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नए उद्यमियों को प्रोत्साहित करना जरूरी है। अपनी पहल और नवाचार से सफलतापूर्वक गतिविधियां संचालित करने वाले उद्यमियों को उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जाए। इससे अन्य लोग भी प्रेरित होंगे।

बैठक में जानकारी दी गई कि 55 हजार करोड़ रूपए के निवेश से प्रदेश में 17 लाख 55 हजार पंजीकृत एमएसएमई इकाईयां संचालित हैं। इससे 92 लाख से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। प्रदेश में 5 हजार 300 स्टार्ट-अप संचालित हैं, जिसमें से 2500 से अधिक महिलाओं द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। अनुपूरक बजट के माध्यम से प्राप्त 1475 करोड़ रूपए की राशि से एमएसएमई इकाईयों के मार्च 2025 तक के लंबित अनुदानों का निराकरण किया जा चुका है।

ग्वालियर व्यापार मेला-2025 में 3 हजार 327 करोड़ रूपए का व्यापार हुआ। निवेशकों को लैण्ड बैंक से अवगत कराने के लिए विभागीय वेबसाइट के माध्यम से जानकारी दी जा रही है, लगभग 1100 से अधिक प्लॉट एक मई से आवंटन के लिए उपलब्ध होंगे। निवेशकों को शासन की नीतियों से अवगत करवाने के लिए जिलेवार कार्यशालाएं भी आयोजित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में विभाग की उपलब्धि लक्ष्य से अधिक रही है। एमएसएमई डे के अवसर पर 27 जून को इंदौर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम पर केन्द्रित भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसी प्रकार सितम्बर माह में भोपाल में स्टार्ट-अप पर केन्द्रित कार्यक्रम आयोजित करने की भी योजना है।

बैठक में इन पर भी चर्चा

पॉवरलूम सहित अन्य परम्परागत उत्पादन गतिविधियों का विशेषज्ञों के सहयोग से उन्नयन किया जाए।

सफल उद्यमियों के नवाचार को उदाहरण के रूप में करें प्रस्तुत।

दो माह के अंतराल से राज्य के अलग-अलग अंचलों में उद्योग-रोजगार दिवस का होगा आयोजन।

ग्वालियर व्यापार मेला-2025 में 3 हजार 327 करोड़ रूपए का हुआ व्यापार।

प्रदेश के सभी अंचलों में लगेंगे व्यापार मेले।

रतलाम कृषि उपज मंडी को आधुनिक स्वरूप में विकसित किया जाएगा।

27 जून को एमएसएमई डे और सितम्बर में स्टार्ट-अप पर होगा भव्य आयोजन

भेल परिसर में भीषण आग, ऑयल टंकियों में ब्लास्ट से मची अफरा-तफरी

15 किमी दूर तक दिखाई दिया धुआं, आग की चपेट में आए हजारों पेड़-पौधे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में स्थित भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) के परिसर में गुरुवार दोपहर भीषण आग लग गई। यह आग भेल के 9 नंबर गेट के पास कॉमर्शियल ग्रीन बेल्ट एरिया में लगी, जिसने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग लगते ही धुएं का बड़ा गुबार आसमान में छा गया, जो 15 किलोमीटर दूर से भी दिखाई दे रहा था। घटना की सूचना मिलते ही भेल के अग्निशमन यंत्र सक्रिय हो गए और आग बुझाने का प्रयास किया गया। बताया जा रहा है कि अंदर ऑयल की टंकियों में ब्लास्ट हुआ है। हजारों पेड़-पौधे आग की चपेट में आ गए।आग तेजी से फैलने के कारण दमकल विभाग को सूचना दी गई। दमकल की कई गाड़िया मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गई हैं। फिलहाल, आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे घटनास्थल के आसपास न जाएं। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट

की आशंका जताई जा रही है।

मंत्री सारंग और आला अधिकारी मौके पर पहुंचे

भेल भोपाल में लगी भीषण आग ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। दमकल विभाग और प्रशासन की तत्परता से आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। मंत्री विश्वास सारंग भोपास कलेक्टर समेत सभी अधिकारी मौके पहुंचे हैं। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आग पर जल्द से जल्द काबू पाया जाए और किसी भी प्रकार की जनहानि न हो।

कई सैकड़ा पेड़ जले, हजारों झुलसे

भेल फैक्ट्री के अंदर हजारों की संख्या में छोटे-बड़े पेड़ वर्षों से लगे हुए हैं। यहां पहले भी आग लगती रही है, लेकिन आज की आग भयंकर रूप धारण कर ली। देखते ही देखते तेज हवा के कारण आग की लपटों ने रायसेन रोड की तरफ स्थित झाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग से सैकड़ों पेड़ जल गए हैं और हजारों की संख्या में छोटे-बड़े पेड़ झुलस गए हैं।

पहले सीआईएसफ बुझा रही थी आग

आग लगने की सूचना मिलने के बाद भेल की सुरक्षा में तैनात दमकलों और सीआईएसएफ को आग बुझाने में लगाया गया। चूंकि भेल बड़ा कारखाना है वहां पानी वाली दमकलें बहुत कम हैं। भेल के अंदर फोम टेंडर हैं, जो भीषण आग को काबू कर सकती हैं। सीआईएसएफ के जवानों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ती चली गई। सुरक्षा कारणों से पहले पुलिस और नगर निगम की दमकल टीम को सूचना नहीं दी गई थी। आग काबू में नहीं आने पर भोपाल पुलिस, प्रशासन और नगर निगम की दमकल टीम को सूचना दी गई। इसके बाद नगर निगम की दर्जन भर दमकलों के साथ अमला पहुंचा है आग बुझाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भेल प्रबंधन से सुरक्षा कारणों से सीमित संख्या में आग बुझाने वाले दल को फैक्ट्री के अंदर प्रवेश दिया है। प्रशासनिक अधिकारी भी अंदर नहीं जा पा रहे हैं। भेल प्रबंधन का कहना है कि आग पर काबू पा लिया गया है। कुछ ऑयल टंकियों में आग लगने से आग तेजी से भड़की थी। फैक्ट्री के सभी ब्लॉक आग लगने वाले स्थान से बहुत दूर हैं। फैक्ट्री पूरी तरह से सुरक्षित है और वहां तक आग पहुंचने की कोई आशंका नहीं है।

सौरभ शर्मा और शरद जायसवाल की जमानत याचिका खारिज

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। ईडी की विशेष अदालत ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और शरद जायसवाल की जमानत याचिका खारिज कर दी है। सौरभ शर्मा और शरद जायसवाल ने ईडी के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार घोष ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों आरोपियों को जमानत देने से इंकार कर दिया है। ईडी द्वारा आठ अप्रैल को सौरभ शर्मा सहित 12 आरोपियों के खिलाफ प्रस्तुत किए गए चालान के बाद सौरभ की मां उमा शर्मा, पत्नी दिव्या शर्मा, साले रोहित तिवारी और रिश्ते के जीजा विनय आसवानी को ईडी की विशेष अदालत से जमानत मिल चुकी है। हालांकि यह आरोपी गिरफ्तार नहीं हुए थे। लोकायुक्त पुलिस द्वारा दर्ज किए गए भ्रष्टाचार के मामले में विशेष न्यायालय से सौरभ शर्मा, चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को जमानत मिल चुकी है, लेकिन ईडी प्रकरण में तीनों भोपाल केंद्रीय जेल में बंद हैं।

जानकारी के अनुसार 18 दिसंबर 2024 को परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके बिजनेस पार्टनर व राजदार चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल के निवास, कार्यालय और ठिकानों पर लोकायुक्त पुलिस ने एक साथ छापेमारी की थी। छापेमारी में परिवहन विभाग से की गई करोड़ों की काली कमाई का खुलासा हुआ था। भ्रष्टाचार का प्रकरण दर्ज कर लोकायुक्त मामले की जांच कर रही है। इस मामले में 19-20 दिसंबर की दरमियानी देर रात भोपाल के मेंडोरी के जंगल में आयकर विभाग ने चेतन सिंह गौर की लावारिस हालत में खड़ी इनोवा से 52 किलोग्राम से अधिक सोना और करीब ग्यारह करोड़ नकदी जब्त की थी। इसके बाद 27 दिसंबर को तीनों के खिलाफ घर, निवास और ठिकानों सहित ग्वालियर और जबलपुर स्थित रिश्तेदारों व करीबियों के यहां प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की थी। छापेमारी में करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ था।

प्रवर्तन निदेशालय ये हवाला और सेल कंपनियां बनाकर करोड़ों की काली कमाई को एक नंबर करने का मामला बनाकर आठ अप्रैल को विशेष न्यायालय में चालान प्रस्तुत कर दिया है। ईडी 103 करोड़ से अधिक संपत्ति सौरभ और उससे जुड़े लोगों व कंपनियों की अब तक जब्त कर चुकी है।

अरेरा कॉलोनी, मिनाल-नयापुरा में आज बिजली कटौती, भोपाल में 60 इलाकों में असर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के करीब 60 इलाकों में शुक्रवार को 45 मिनट से 6 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी। जिन इलाकों में बिजली गुल रहेगी, उनमें अरेरा कॉलोनी, मिनाल, नयापुरा, दानिशकुंज, चाणक्यपुरी, आशाराम चौराहा, ट्रांसपोर्ट नगर, ई-6, ई-7 जैसे कई बड़े इलाके भी शामिल हैं। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 7 से 7.45 बजे तक 11 नंबर, ई-6 और ई-7, अरेरा कॉलोनी, जनता कॉलोनी, पीसी नगर, इंद्रा नगर, आशा निकेतन एवं आसपास के इलाके। सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक हरि गंगा नगर, रॉयल विला, इंडस फेस-1, 2, 3, 4 और 5, नटराज कॉलोनी, लिली विला, ट्रांसपोर्ट नगर, राधापुरम, कृष्णापुरम, शिवालय परिसर, सिवाय 7, अनुजा विलेज, ऑप्टल कुंज, सेज माइल स्टोन, पुलिस हाउसिंग कॉलोनी एवं आसपास। सुबह 10 से 11 बजे तक टीटी नगर, न्यू मार्केट, 45 बंगलो एवं आसपास। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक गर्वमेंट हाउसिंग फेस-1, संजीव नगर, पलाश होटल के पास, नयापुरा, नेवरी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक सिंगापुर कॉलोनी, पुलिस वायरलैस, पुलिस हाउसिंग, पर्यटन भवन, आकृति गार्डन, करुणाधाम, गौतमी कॉलोनी एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से शाम 4 बजे तक आशाराम चौराहा, गांधीनगर मार्केट, अर्जुन वार्ड, प्रताप वार्ड, धाकड़ चौराहा, मिनाल, चाणक्यपुरी, श्रवण कांत कॉलोनी, नरेला शंकरी एवं आसपास के क्षेत्र। दोपहर 12 से 1 बजे तक दानिश कुंज-2, 3, 4 और 5, विराशा हाइट्स, सिद्धी-समृद्धि हाइट्स एवं आसपास के इलाके।

ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन अप्लाई कर सकेंगे बिजली कर्मचारी

16 जिलों के कर्मचारियों के लिए 30 अप्रैल तक खुली विंडो

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में आने वाले भोपाल, नर्मदापुरम और ग्वालियर-चंबल संभाग के 16 जिलों में बिजली कर्मचारियों व अधिकारियों के तबादले के लिए ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। इसके लिए बिजली कम्पनी ने गुरुवार 24 अप्रैल से आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अप्रेल तक किए जा सकेंगे। यह सुविधा महाप्रबंधक और उससे सीनियर पदों पर पदस्थ अफसरों को नहीं मिलेगी। विद्युत वितरण कम्पनी द्वारा सभी जिलों के नियमित, संविदा कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों में विस्तार करते हुए यह फैसला किया है। कर्मचारियों के लिए स्वयं के खर्च पर स्थानान्तरण की सुविधा को आसान करते हुए ऑनलाइन आवेदन कराने का फैसला किया गया है।

ये कर सकेंगे आवेदन

कंपनी के कार्य क्षेत्र के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं लाइन स्टाफ स्वयं अथवा परिवार में किसी सदस्य की गंभीर बीमारी की स्थिति में आवेदन कर सकते हैं। पति या पत्नी के शासकीय सेवा में अन्यत्र स्थान पर कार्यरत होने पर भी आवेदन कर सकेंगे। शासकीय अनुदान प्राप्त संस्था में कार्यरत होने पर म्यूचुअल ट्रांसफर की सुविधा। अन्य कारणों से उनके स्वयं के व्यय पर स्थानान्तरण के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा।

30 अप्रैल तक एक बार ही कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

कंपनी ने कहा है कि कर्मचारी 24 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकते हैं। कोई भी कर्मचारी एक ही बार ऑनलाइन आवेदन सब्मिट कर सकेगा। ट्रांसफर के लिए केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे। किसी भी स्थिति में ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

एक साल से कम अवधि की पोस्टिंग पर विचार नहीं

तबादला नीति में कहा गया है कि कम्पनी के महाप्रबंधक तथा समकक्ष अधिकारी एवं उनसे उच्च पद के अधिकारी ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकेंगे। ऐसे अधिकारी-कर्मचारी जिनकी किसी स्थान पर पदस्थापना की अवधि एक वर्ष से कम है, उनके आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। स्थानान्तरण के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की लिंक कंपनी की वेबसाइट *portal.mpcz.in* पर इंटरनल यूज एप्लीकेशन के अंतर्गत *''Employee Transfer Module''* के नाम से उपलब्ध है। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कहा कि नई व्यवस्था से कर्मचारी ऑनलाइन आवेदन में दी गई ऑप्शनल जगहों पर स्वयं के व्यय पर ट्रांसफर करा सकेंगे।

स्टेट बार काउंसिल का कार्यकाल बढ़ाने पर हाईकोर्ट की रोक

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश द्वारा बार काउंसिल के चुनाव दो साल बाद कराने के निर्णय पर जबलपुर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैथ और न्यायमूर्ति विवेक जैन की खंडपीठ ने गुरुवार को चुनावों पर आगामी आदेश तक अंतरिम रोक लगाने का फैसला सुनाया। भोपाल के एडवोकेट चंद्र कुमार वलेजा एवं इंदौर के एडवोकेट और स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के सदस्य नरेंद्र जैन द्वारा दायर पिटिशन पर सुनवाई के बाद खंडपीठ ने उक्त फैसला सुनाया। याचिका में यह तर्क दिया गया था कि बार काउंसिल का कार्यकाल निश्चित समय के लिए होता है और चुनाव को दो वर्षों तक स्थगित करना वकीलों के संवैधानिक व लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है। खंडपीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्टेट बार काउंसिल के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसमें आगामी चुनाव दो साल बाद कराने की बात कही गई थी। अब इस मामले की अगली सुनवाई 5 मई को होगी। गौरतलब है कि स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी के चुनाव 17 जनवरी 2020 को हुए थे। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी ने अपनी एक बैठक में पांच वर्षीय कार्यकाल समाप्त होने के बाद कोरोना काल में कोर्ट की कार्यवाही बंद रहने का हवाला देते हुए स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्य प्रदेश के पांच वर्षीय कार्यकारिणी के चुनाव तय समय से दो साल के बाद कराए जाने का निर्णय लिया था।

वक्फ कानून के खिलाफ आधे घंटे तक घरों और दुकानों की बिजली बंद रखेंगे मुस्लिम

भोपाल। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड तहफ्फुज-ए-औकाफ मध्यप्रदेश की अगुआई में भोपाल में गुरुवार को एक बैठक आयोजित की गई। संगठन के मध्यप्रदेश संयोजक आरिफ मसूद की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रदेश भर से उलमा, धार्मिक संगठन के प्रतिनिधि एवं मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य शामिल हुए। बैठक में वक्फ कानून के खिलाफ रणनीति तय की गई। पहली कड़ी के रूप में 30 अप्रैल 2025 को रात 9 बजे से 9:30 बजे तक प्रदेश भर के मुसलमानों से अपने घरों और दुकानों की लाइटें बंद रखने की अपील की गई है। आरिफ मसूद ने कहा कि यह कानून मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक धरोहरों पर सीधा हमला है। जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की किल्लत, जिपं उपाध्यक्ष-सदस्य भूख हड़ताल पर बैठे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के ग्रमीण क्षेत्रों में पानी की समस्या बढ़ रही है, जबकि सरकार नलजल योजना से सभी गांवों में पानी पहुंचाने का दावा करता है। पानी की किल्लत को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य विनय मेहर, चंद्रेश राजपूत, देवकुवर हाड़ा समेत सुरेश राजपूत, अनिल हाड़ा और विनोद राजोरिया जिला पंचायत परिसर में भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। जाट ने चार दिन पहले कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को इसकी जानकारी दे दी थी। जनप्रतिनिधियों के प्रदर्शन से

जिम्मेदार अफसरों की सांसें फूल गई हैं। बीती रात वे जनप्रतिनिधियों को मनाने में जुटे रहे। उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की समस्या अपना विकराल रूप ले चुकी है और यह भी कहा सरकार,अधिकारी एवं ठेकेदार मिलकर भ्रष्टाचार करते हुए इस योजना को पतीला लगा रहे हैं। कई जगह बिजली की समस्या है तो कई जगह डीपी खराब पड़ी है नलों में टोटिया नहीं हैं । कई जगह पानी का स्तर काफी नीचे पहुंच चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की दूर-दूर से लाया जाता है।

भोपाल के इन गांवों में पानी की परेशानी

भोपाल जिले के खजूरी, गुनगा, कनेरा, शाहपुरा, देवपुरा, गोलखेड़ी, कोठार, चंदेरी, दुपड़िया, कालापीपल, बागापुरा, तारा सेवनिया, आचारपुरा, करारिया, सेमरीखुर्द, खितवास, चाचाहेड़ी, गोंदीपुरा, परवलिया, बरेलाखेड़ा, लहारपुरा समेत कई पंचायतों में लोग पानी के लिए परेशान हो रहे हैं।

जिल पंचायत की बैठक में उठा था मुद्दा

नलजल योजना अधूरी होने के कारण गांवों की बड़ी आबादी गर्मी में पानी के लिए परेशान हो रही है। इसे लेकर जिला पंचायत की बैठक में मुद्दा भी उठ चुका है, पर पीएचई विभाग के जिम्मेदार नहीं जागे। इस कारण जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा था। जिसमें कहा था कि जिपं ऑफिस परिसर में ही 24 अप्रैल से भूख हड़ताल पर बैठूंगा। हालांकि, कलेक्टर को पत्र लिखते ही सीईओ ईला तिवारी ने नल-जल योजनाओं के बारे में 3 दिन में रिपोर्ट मांग ली थी। उन्होंने जनपद पंचायत फंदा एवं बैरसिया अंतर्गत स्वीकृत, हस्तांतरित, ट्रायलरन, प्रगतिरत नल-जल योजनाओं के निरीक्षण, जांच कराने के लिए टीमें बना दीं। इस टीम में पीएचई, जनपद के इंजीनियर, सचिव, रोजगार सहायक शामिल किए गए, जो जिला पंचायत के सभी सदस्य को अवगत कराते हुए निरीक्षण/जांच करेंगे। यह रिपोर्ट भी गुरुवार को ही पेश कर दी जाएगी।

15 दिन में योजनाओं को पूरा करने का किया था वादा

जिपं उपाध्यक्ष जाट ने कलेक्टर को पत्र लिखा कि 27 मार्च को साधारण सभा की बैठक हुई थी। इसमें जल जीवन मिशन योजना के तहत विभागीय अधिकारियों को 15 दिन में अधूरी नल-जल योजनाओं को पूरा करने को कहा गया था, लेकिन 23 अप्रैल का दिन भी बीत गया। बावजूद अब तक न तो कोई रिपोर्ट दी गई और न ही गांवों में पेयजल संकट खत्म हुआ है।

सम्पादकीय

वन विभाग की आधारहीन चिंता

कुलभूषण उपमन्यु

बड़ी मुश्किल से 17 साल बाद हिमाचल प्रदेश सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंता ग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बाबजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वननिर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी ह्क, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त है, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी में वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण संवर्धन का कर्तव्य भी निर्धारित किया गया है।

स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मण्डल अधिकारी के स्तर पर ही एक हेक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए साझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलता पूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे फिर भी परिणाम उत्साह वर्धक रहे हैं। इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा। बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबन्धन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलता पूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है। बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है।

पिछले दिनों जब हिमाचल प्रदेश सरकार ने जनजाति विकासमंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों, और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा–निर्देशों की बात की गई है, जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल साझा निरीक्षण में हाजिर होना है या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा–निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केन्द्रीय दिशा निर्देशों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया। सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई। फिर वीडियोग्राफी करने और सैटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है। इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है, यानि टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरन्दी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं।

स्वामित्व योजना के पांच साल आत्मनिर्भर भारत का निर्माण

मुकुंद

देश ने ठान लिया है कि गांव और गरीब को आत्मनिर्भर बनाना है, भारत के सामर्थ्य को साकार करना है। इस संकल्प की सिद्धि में स्वामित्व योजना की भूमिका बहुत बड़ी है। – नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवासर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल, 2020 को स्वामित्व (गांवों का सर्वेक्षण और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर तकनीक के साथ मानचित्रण) योजना का शुभारंभ किया था। स्वामित्व ड्रोन–आधारित सर्वेक्षणों का उपयोग करके ग्रामीण आवासीय भूमि का कानूनी स्वामित्व प्रदान करता है। स्वामित्व का कार्यान्यवन भारतीय सर्वेक्षण विभाग और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र सेवा (एनआईसीएसआई) के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति कार्ड प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना, ऋण सुलभ कराना, विवाद समाधान और बेहतर योजना बनाना है। इस योजना के अंतर्गत 1.61 लाख गांवों के लिए 2.42 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड बनाए गए हैं। 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। इसके तहत 68,122 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया जा चुका है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीआईबी) की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण में इस योजना पर विस्तार से चर्चा की गई है। पीआईबी के अनुसार, स्वामित्व के कारण ग्रामीण शासन में बदलाव आ रहा है। आर्थिक विकास को बढ़ावा मिला है। वैश्विक स्तर पर भारत की भूमि संबंधी तकनीक मील का पत्थर साबित हो रही है।

इस वर्ष स्वामित्व अपनी पांचवीं वर्षगांठ मना रहा है। यह योजना गांवों में लोगों को उनके उन घरों एवं जमीन, जहां वे रहते हैं, के लिए कानूनी स्वामित्व के कागजात पाने में मदद करती है। यह संपत्ति की सीमाओं को स्पष्ट रूप से चिह्नित करने के लिए ड्रोन और मानचित्रण संबंधी विशेष उपकरणों का उपयोग करती है। इन कागजात के साथ, लोग बैंक से ऋण ले सकते हैं। भूमि विवादों का निपटारा कर सकते हैं और यहां तक कि अपनी संपत्ति का उपयोग अधिक कमाई के लिए भी कर सकते हैं। यह योजना बेहतर ग्राम नियोजन में भी मदद करती है। वित्तीय वर्ष 2020–21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2024–25 तक कुल लागत 566.23 करोड़ रुपये है। इसे वित्तीय वर्ष 2025–26 तक बढ़ाया जा सकता है।

पीआईबी ने इस योजना की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र भी किया है। इसमें कहा गया कि 18 जनवरी 2025 को 10 रायों (छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) और दो केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख) के 50,000 से अधिक गांवों में 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए गए। दो अप्रैल, 2025 तक, स्वामित्व योजना के तहत 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। इन सर्वेक्षणों ने प्रत्येक गांव में बसे हुए क्षेत्रों के औसत आकार के आधार पर अनुमानित 68,122 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया है। 11 मार्च 2025 तक 31 रायों व केंद्रशासित प्रदेशों ने समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप, लद्दाख एवं दिल्ली और आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे रायों में पूर्ण कवरेज के साथ 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। 1.61 लाख गांवों के लिए कुल 2.42 करोड़ संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं।

गुरुग्राम स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान में 24–29 मार्च, 2025 को आयोजित भूमि के प्रशासन से संबंधित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 22 देशों के वरिष्ठ अधिकारी एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में ड्रोन आधारित सर्वेक्षण, डिजिटल संपत्ति रिकॉर्ड और स्वामित्व योजना के जरिए पारदर्शी शासन सहित भारत के रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया। भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले 2024 में इस योजना ने इस बात को प्रदर्शित किया कि कैसे ड्रोन एवं जीआईएस मैपिंग ग्रामीण समुदायों को स्पष्ट और कानूनी भूमि स्वामित्व हासिल करने में मदद कर रहे हैं। यह योजना प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि का नतीजा है, क्योंकि दशकों से भारत में तमाम गांवों के घरों और जमीनों का सही तरीके से रिकॉर्ड नहीं रखा गया था। कानूनी दस्तावेजों के बिना लोग स्वामित्व साबित नहीं कर सकते थे या बैंक से ऋण नहीं ले सकते थे। रिकॉर्ड की कमी ने ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक विकास को धीमा किया और अकसर भूमि विवाद पैदा हुए। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से स्वामित्व योजना को शुरू करने का फैसला किया गया।

इस योजना की सफलता की कहानियां भी सामने आई हैं। 25 वर्ष की अनिश्चितता के बाद हिमाचल प्रदेश के तारोपका गांव की सुनीता को स्वामित्व योजना के जरिए अपनी पैतृक भूमि का कानूनी स्वामित्व मिला है। अपने संपत्ति कार्ड की सहायता से उन्होंने पड़ोसी के साथ लंबे समय से चल रहे विवाद को सुलझाया। इससे परिवार में शांति और सुरक्षा आई। स्वामित्व योजना ने उन्हें स्पष्ट स्वामित्व दिया। इससे उनका जीवन बेहतर हुआ।

राजस्थान के फलाटेड गांव के सुखलाल पारगी को इस योजना के तहत पट्टा और संपत्ति कार्ड मिला। इन दस्तावेजों की मदद से वे वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बनाने में सक्षम हुए। उन्होंने संपत्ति कार्ड का उपयोग करके बैंक से तीन लाख रुपये का ऋण तुरंत प्राप्त किया। आज स्वामित्व योजना ग्रामीण भारत की पुरानी चुनौतियों को विकास एवं सशक्तिकरण के नए अवसरों में बदल रही है। यह योजना विवादों को सुलझाने और बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। यह योजना सरकारी कार्यक्रम से कहीं बढ़कर है। यह आत्मनिर्भर

ता, बेहतर नियोजन और एक मजबूत ग्रामीण भारत की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विकसित भारत की नींव में गांव और युवाओं की भूमिका

पंचायती राज दिवस विशेष

रामदयाल सैन

भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। गांवों का विकास न केवल स्थानीय समृद्धि का सूचक है बल्कि यह राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है। 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला पंचायती राज दिवस इसी संकल्प का प्रतीक है–एक ऐसा दिन जब हम लोकतंत्र को जड़ से मजबूत करने वाली संस्था %पंचायत% की भूमिका को स्मरण करते हैं और उसके माध्यम से ग्रामीण विकास की दिशा में उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करते हैं। आज जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करने की ओर अग्रसर है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत विकसित भारत@2047 का विजन हम सबके सामने एक स्पष्ट लक्ष्य रखता है: आत्मनिर्भर, समावेशी, टिकाऊ और तकनीक–संपन्न भारत। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पंचायती राज व्यवस्था और देश की युवा शक्ति की भागीदारी अनिवार्य है।

पंचायती राज व्यवस्था: लोकतंत्र की जड़ों से विकास की ऊँचाइयों तक

भारत में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) के माध्यम से मिला, जिससे स्थानीय शासन व्यवस्था को तीन स्तरों पर- ग्राम पंचायत, पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर) और जिला परिषद- लागू किया गया। यह व्यवस्था जन–भागीदारी, स्थानीय स्वशासन और विकेन्द्रीकरण का आधार बनकर उभरी। ग्राम पंचायतें अब योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट प्रबंधन, सामाजिक न्याय और सतत विकास के स्थानीय केंद्र बन गई हैं। हमें ज्ञात होना चाहिए कि पंचायती राज का उद्देश्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएँ बनाना और लागू करना, ग्रामीण समुदायों को सशक्त और स्वावलंबी बनाना, सामाजिक न्याय, समावेशन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना रहा है और इसकी प्राप्ति के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे।

गांवों के विकास में युवाओं की भूमिका: परिवर्तन के वाहक

भारत एक युवा देश है–जहां 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यदि यह युवा वर्ग पंचायती राज व्यवस्था से जुड़कर ग्राम विकास में सक्रिय हो, तो यह एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप ले सकता है। युवा डिजिटल परिवर्तन के अगुवा कराए हुए पंचायतों में तकनीकी नवाचार ला सकते हैं- जैसे डिजिटल ग्राम प्रोफाइल, ऑनलाइन शिकायत निवारण, मोबाइल ऐप से विकास ट्रैकिंग, ई–गवर्नेंस का विषय गाँव के आमजन को जानकारी देते हुए सरकार द्वारा किए गए नवाचरों, योजनाओं और उन योजनाओं की मॉनिटरिंग को आमजन तक पहुंच सकते हैं। कृषि व उद्यमिता में नवाचार हेतु फार्म–टू–मार्केट, जैविक खेती, एग्री–स्टार्टअप्स, ग्रामीण पर्यटन जैसी पहलें युवाओं द्वारा संचालित की जा सकती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान में भी शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल हेल्थ क्लिनिक, ग्रामीण पोषण योजना, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जैसे प्रयासों में युवाओं की भूमिका अहम है। वहीं सामाजिक सुधार और नेतृत्व करते हुए बाल विवाह, नशा मुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, लैंगिक समानता जैसे विषयों पर युवाओं का नेतृत्व परिवर्तनकारी हो सकता है।

स्थानीय सतत विकास लक्ष्य: पंचायतों से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक

वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले 17 सतत विकास लक्ष्यों को अपनाया गया, जिनका उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, पृथ्वी की रक्षा और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करना है। भारत ने इन लक्ष्यों को अपनाया और इन्हें स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए, जिससे विकास की असली नींव–ग्राम पंचायतें–सशक्त बन सकें। यही प्रक्रिया स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के रूप में जानी जाती है।

स्थानीय सतत विकास लक्ष्य

LSDGs का उद्देश्य वैश्विक *SDGs* को स्थानीय संदर्भ और ज़रूरतों के अनुसार ढालना है। इसका मतलब है कि हर पंचायत, ब्लॉक, ज़िला और राज्य अपनी स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुसार विकास कार्यों को योजनाबद्ध और लागू करे ताकि 2030 तक सभी लक्ष्य हासिल किए जा सकें। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार इस दिशा में कार्य कर रहा है ताकि प्रत्येक पंचायत और उन पंचायतों में रहने वाले लोगों का समग्र ग्राम विकास कर और ग्राम पंचायतों को सशक्त बना सके। वर्तमान में ग्राम पंचायतों मे होने वाले विकास कार्य स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप किए जा रहे ताकि गाँव के समग्र विकास के साथ 2030 तक हम संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तय किए गए सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति भी कर सके।

स्थानीय सतत विकास लक्ष्य

1. गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका वाला गांव: राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान और पंचायती राज के अनुसार, गरीबी उन्मूलन और निवासियों की आर्थिक भलाई में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।
2. स्वस्थ गांव: पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, इसका उद्देश्य सभी निवासियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और स्वस्थ रहने की स्थिति तक पहुँच सहित कल्याण को बढ़ावा देना है।
3. बाल हितैषी गांव: पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच मिले।
4. जल–पर्याप्त गांव: ग्राम के सभी निवासियों के लिए स्वच्छ और पर्याप्त जल संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करने और स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है।
5. स्वच्छ और हरित गांव: अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर, प्रदूषण को कम करके और हरित पहल को बढ़ावा देकर एक स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ गांव बनाने का लक्ष्य।
6. गांव में आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा: सड़क, जल आपूर्ति प्रणाली और स्वच्छता सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता है।
7. सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण और सामाजिक रूप से सुरक्षित गांव: हाशिए पर पड़े समुदायों और विकलांग लोगों सहित सभी निवासियों के लिए सामाजिक समावेश, समानता और सुरक्षा को बढ़ावा देता है।
8. सुशासन वाला गांव: पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, स्थानीय शासन प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और भागीदारी सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
9. महिला हितैषी गांव: महिलाओं को सशक्त बनाने, लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य है कि गांव के जीवन के सभी पहलुओं में उनकी ज़रूरतें पूरी हों।

युवा इन लक्ष्यों को स्थानीय क्रियान्वयन के जरिए साकार कर सकते हैं। गांवों में डेटा आधारित योजना निर्माण, परिणाम–आधारित निगरानी और समुदाय आधारित संसाधन प्रबंधन में युवाओं की भूमिका निर्णायक बन सकते हैं।

पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार ने विभिन्न योजनाओं के साथ तकनीक विकसित करके ग्राम पंचायतों के साथ आमजन की भागीदारी ओर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्लेटफॉर्म भी विकसित भी किए हैं ताकि सशक्त पंचायत, समृद्ध भारत के सपने को साकार करते जुए पंचायतों को आत्मनिर्भर और उत्तरदायी बनाया जा सके। इनमें कुछ महत्वपूर्ण पोर्टल्स *e-Gram Swaraj* पोर्टल और मोबाइल ऐप: पंचायतों को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए। *AuditOnline* और *ActionSoft*: विकास योजनाओं की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए। *Rashtriya Gram SwarajAbhiyan*: पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों और युवाओं के क्षमता निर्माण के लिए। *Gram Panchayat Development Plan*: हर ग्राम पंचायत की विशेष आवश्यकताओं पर आधारित समावेशी विकास योजना। *LSDG* पंचायत रेटिंग और पुरस्कार योजना: पंचायतों को प्रोत्साहित करने के लिए रैंकिंग और वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रमुख है। इनके जहां पोर्टल्स बने है वही इनकी सुगमता के लिए मोबाईल आधारित ऐप्लकैशन भी बनाई गौ है जिससे हर व्यक्ति की पहुच मे सभी सामग्री हो सके।

प्रधानमंत्री मोदी की संकल्पना: विकसित भारत @2047

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण है कि भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाना है- एक ऐसा भारत जो आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी और पर्यावरणीय रूप से आत्मनिर्भर हो। इस दिशा में गांवों का समृद्ध, सुरक्षित और सशक्त होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बार–बार यह कहा है कि विकास का रास्ता गांवों से होकर ही जाता है। उनका आग्रह है कि हर पंचायत, हर युवा, हर नागरिक इस संकल्प को अपने स्तर पर आत्मसात करें और देश को विकास और समृद्धि की पंचवर्षीय गति की बजाय वार्षिक गति से आगे बढ़ाएं। और समग्र ग्राम–समग्र राष्ट्र की अवधारणा को सिद्ध करते हुए भारत को विकसित राष्ट्र बनाने मे अपना योगदान सुनिश्चित करें।

आज पंचायती राज दिवस केवल स्मरण या आयोजन का दिन नहीं बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और संकल्प का अवसर है। यदि युवा शक्ति और पंचायती राज संस्थाएं हाथ में हाथ डालकर काम करें तो न केवल गांव विकसित होंगे बल्कि विकसित भारत की नींव भी मजबूत होगी। युवाओं का जोश, पंचायतों का कार्यानुभव और सरकार की योजनाएँ– जब यह तीनों एक दिशा में मिलते हैं तो समग्र ग्राम विकास की संकलपना पूर्ण होगी ओर गाँव सशक्त बनेगे तब भारत को सशक्त, समावेशी और सतत रूप से विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूर्ण होगा।

जम्मू-कश्मीर : हिन्दुओं की पहचान कर मार दी गईं गोलियां कौन-सा भारत बना रहे हम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। कहने को कहा जा रहा है कि विदेशी साजिश थी, पाकिस्तान का हाथ था लेकिन यह हाथ घर के अंदर आया कैसे घर के भी कोई अपने थे, जो इस पूरे आतंकवादी घटनाक्रम में शामिल हैं। इंटेलिजेंस इनपुट कह रहा है कि छह आतंकियों में से तीन भारत के नागरिक थे, जिन्होंने विदेशी इस्लामिक आतंकवादियों के साथ मिलकर हिन्दुओं का खून बहाया है। घटना के बाद से मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं, जिनमें से अनेकों में इस बात को दोहराया गया है कि पुलवामा हमला पार्ट–1 था जो 14 फरवरी 2019 को हुआ था, जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश–ए–मोहम्मद ने ली थी। अब पहलगाम हमला पार्ट–2 है जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर–ए–तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू–कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू–कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था। आज न जानें कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिन्दू रहते हैं। आखिर हिन्दुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है जो लोग आज इसे हमला पार्ट–2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके वह जिहादी या गैर मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेकों आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गज़नवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं। भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईसवी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़ियां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहां का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिन्दू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये इस्लामिक जिहादी घटनाएं बार–बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी ये रुकने का नाम नहीं लेतीं। इसी संदर्भ में यह ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसके मर्म को सभी को समझना चाहिए; जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना मुहम्मद अली ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि, अपने मजहब और अकीदे के मुताबिक मैं एक गिरे से गिरे और बदकार मुसलमान को भी महात्मा गाँधी से बेहतर समझता हूँ।

देवबन्द के जामिया तिब्बिया मेडिकल कालेज में पहलगाम में आतंकी हमले मे मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई

करना अति कायरतापूर्ण एवं निंदनीय है,हम सब इस आतंकी हमले की घोर निंदा एवं भर्त्सना करते है – डा0 अनवर सईद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, जामिया तिब्बिया मेडिकल कालेज देवबन्द में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले मे मारे गये लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। जामिया तिब्बिया के प्रबंधक डा0 अनवर सईद ने आयोजित शोक सभा में आतंकी हमले मे मारे गये पर्यटकों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की हत्या करना अति कायरतापूर्ण एवं निंदनीय है और हम सब इस आतंकी हमले की घोर

केंद्र सरकार को जम्मू-कश्मीर में प्राथमिकता के सर्वोच्च स्तर पर पहले से और कठिन सुरक्षा के वातावरण को सुनिश्चित करने की ज़रूरत है क्योंकि वहां के अधिकतर निवासियों का आर्थिक जीवन पर्यटकों पर ही निर्भर है। सुरक्षा से ही भरोसा जागता है और एकता अखंण्डता का भाव भी। इस दौरान जामिया तिब्बिया देवबन्द के ताहिर हॉल में समस्त स्टाफ एवं छात्र व छात्राओं ने मोमबत्तियां जलाकर मृतकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कालेज के सचिव डा0 अख्तर सईद ने मृतकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस मौके पर प्राचार्य डा0 अनीस अहमद, उप-प्राचार्य डा0 मो0 फसीह, डा0 निक्हत सज्जाद, डा0 एहतशामुलहक सिद्दीकी, डा0 मौ0 आज़म उस्मानी, डा0 जावेद आलम, डा0 मुज़म्मिल, जमशेद अनवर, आमिर सईदी, पीर जी जावेद, अरूण कुमार, मनोज कुमार, सचिन कुमार, संजय जिंदल एवं छात्र छात्राओं आदि ने भाग लिया।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के भुगतान सम्बन्धी व्यवसायिक विवादों के निस्तारण हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित मण्डलीय सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल की बैठक आहूत की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा काउन्सिल की आब्रीटेशन बैठक में कुल 15 सन्दर्भों में सुनवाई की गयी, जिनमें से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमकर्ताओं के कुल 10 सन्दर्भों में बकाया मूलधन 29.07 लाख रूपये पर चक्रवृद्धि ब्याज सहित भुगतान के एवार्ड निर्गत किये जाने

का निर्णय लिया गया। इसके अतिरिक्त फैसिलीटेशन काउन्सिल की बैठक में 46 सन्दर्भों में सुलह के प्रयास किये गये। जिसमें इण्डो बायो एग्रो इण्ड0 शामली के 04 संदर्भों में रू0 10.35 लाख, मै0 अमर ज्योति इण्ड0 सहारनपुर के 02 सन्दर्भों में रू0 4.00, मै0 महावीर मीटिंग प्रा0लि0 सहारनपुर के पक्ष में रु0 1.98 एवं मै0 एस0आर0 पी0 इण्ड0 शामली के पक्ष में रू0 1.19 लाख के भुगतान कराये गये। इस प्रकार काउन्सिल द्वारा 08 सन्दर्भों में 18.25 लाख रूपये का भुगतान कराया गया। बैठक में श्रीमती अन्जू रानी, सदस्य सचिव/संयुक्त आयुक्त उद्योग, अनुपम गुप्ता, सदस्य / प्रतिनिधि लघु उद्योग भारती, सहारनपुर, प्रमोद मिगलानी सदस्य/प्रतिनिधि आई0आई0ए0 अग्रणी जिला प्रबन्धक, प्रवीण जमुआर, एवं बनवारी लाल, सहायक आयुक्त उद्योग ने प्रतिभाग किया गया।

मानव एकता दिवस - निष्काम सेवा का अनुपम संकल्प

संत निरंकारी मिशन द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता 'मानव एकता दिवस', निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है।

मानव एकता दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान

शिविर की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, इसी श्रृंखला में 24 अप्रैल 2025 को संत निरंकारी मिशन की शाखा दमोह में विशाल रक्तदान शिविर संपन्न हुआ, इस शिविर का शुभारम्भ जबलपुर से आए हुए अथिति महात्मा रोहित आसवानी एवं सिंधी समाज अध्यक्ष अनिल कोटवानी और टीम द्वारा रिबन काटकर किया गया, शिविर में 104 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें 65 भाई एवं 39 महिलाओं ने रक्तदान कर मानवता का सुंदर संदेश दिया, शिविर की सुंदर व्यवस्था ब्रांच दमोह संचालक राजकुमार सोनी एवं उनके पूरे सेवादल भाई बहिनों , SNCF मेंबर्स द्वारा सुंदर रूप से की गई वही जिला चिकित्सालय की पूरी डॉक्टर्स टीम के सहयोग से इस शिविर को संपन्न किया गया जो नि:स्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है। इसके साथ ही सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, शांति और समरसता का प्रकाश भी जन-जन तक पहुँचाया जाता है। यह दिन इस बात का परिचायक है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, अपितु निष्काम समर्पण का आत्मिक भाव है।

इस वर्ष भी, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष की लगभग 500 से अधिक ब्रांचों पर भव्य रक्तदान शिविरों की अविरल श्रृंखला आयोजित की गई। दिल्ली स्थित ग्राउंड नंबर 8, निरंकारी चौक बुराड़ी में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर विशेष रूप से केंद्र बिंदु रहा, जहाँ श्रद्धालु अधिक संख्या में सम्मिलित हुए। सभी ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान कर मानव कल्याण में अपना सहयोग दिया

युगदृष्टा बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य बोध के माध्यम से समाज को अंधविश्वासों और कुरीतियों से मुक्त कर, नशा मुक्ति, सादा विवाह और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ जोड़ने जैसे लोक-कल्याणकारी अभियानों की प्रेरक शुरुआत की। उनके पावन मार्गदर्शन को आगे बढ़ाते हुए बाबा हरदेव सिंह जी ने रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं का अमर संदेश देकर रक्तदान को मिशन की आध्यात्मिक सेवा का अभिन्न अंग बना दिया। यह संदेश आज भी प्रत्येक निरंकारी भक्त के हृदय में सेवा और समर्पण की प्रेरक लौ बनकर जीवंत है।

संत निरंकारी हेल्थ सिटी की मेडिकल डाइरेक्टर गीतिका दुग्गल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सम्पूर्ण भारतवर्ष में आयोजित रक्तदान श्रृंखला में लगभग 30,000 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिनमें से केवल दिल्ली शिविर में ही लगभग 1,000 यूनिट रक्तदान हुआ।

यह दिवस चाचा प्रताप सिंह जी सहित उन सभी समर्पित बलिदानी संतों की पुण्य स्मृति का प्रतीक है, जिन्होंने मानव एकता, नि:स्वार्थ सेवा और आध्यात्मिक चेतना के मार्ग पर चलते हुए अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। मानव एकता दिवस उन्हीं संतों के दृढ़ विश्वास व संकल्प की प्रेरणा को जीवंत करता है।

यह महाअभियान केवल रक्तदान नहीं, बल्कि सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की करुणा, सेवा और एकत्व के संदेश को जीवन में उतारने का सजीव माध्यम है जो हमें सिखाता है कि मानवता ही सर्वोच्च धर्म है। इसी प्रेरणा से प्रेरित संत निरंकारी मिशन, सेवा और समर्पण के पथ पर निरंतर मानवता का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

आई टी आई व सिविल कोर्ट हेतु भवनों का निरीक्षण

तहसीलदार, सरपंच, प्राचार्य, अधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने किया निरीक्षण

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ

लालबर्रा, तहसील मुख्यालय लालबर्रा में जल्द ही औधोगिक प्रशिक्षण संस्था (आई टी आई) एवं सिविल न्यायालय प्रारंभ किये जाने की कवायद शुरू हो गई है। इस सम्बंध में ता 23 को लालबर्रा तहसील मुख्यालय में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने बिल्डिंग भवनों का संयुक्त निरीक्षण भी किया है। ज्ञात हो कि बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी द्वारा विगत दिनों भोपाल में विधानसभा सत्र के दौरान सदन में लालबर्रा के लिए शासकीय आईटीआई व सिविल कोर्ट खोलने की बात दमदारी से रखी गई थी जिस पर एक्शन दिखाई देने भी लगा है। आज लालबर्रा नगर मुख्यालय में सरपंच व विधायक प्रतिनिधि अनीस खान,लालबर्रा तहसीलदार कन्हैया टेकाम, बालाघाट आई टी आई से अधिकारी श्री राहंगडाले, लालबर्रा महाविद्यालय प्राचार्य श्री खंडायत,विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती,नितिन सांखला, सुमित स्वामी,श्री रामटेकर, पटवारी श्री अड़मे,ग्राम पंचायत सह सचिव कृष्णा पंचेश्वर सहित ग्राम पंचायत लालबर्रा,आई टी आई बालाघाट का स्टाफ उपस्थित था। ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा लालबर्रा तहसील मुख्यालय के लिए आईटीआई नवीन भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त हुई है जैसे ही भवन निर्माण के लिए राशि प्राप्त हो जाएगी वैसे ही लालबर्रा आई टी आई बिल्डिंग का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा तब तक के लिए विभाग द्वारा

नवीन सत्र हेतु अस्थाई भवन में आईटीआई शिक्षा कार्य किया जावेगा। इसी तरह से लालबर्रा में सिविल कोर्ट भी प्रारंभ हो रहा है तथा जब तक नया भवन ना बन जाये तब तक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में यह भी अस्थाई रूप डॉ आंबेडकर भवन पावर हाउस में संचालित हो सकता है।

सामुदायिक भवन,गर्ल्स हॉस्टल व आंबेडकर भवन चिन्हित-अनीस लालबर्रा सरपंच व विधायक प्रतिनिधि बालाघाट-111, जिला पंचायत अनीस खान ने बताया कि लालबर्रा नगर मुख्यालय में नवीन आई टी आई व सिविल न्यायालय जल्द शुरू हो सकते है वर्तमान में दोनो की बिल्डिंग भवन नही होने से अस्थाई रूप से भवन हेतु कुछ स्थानों का अधिकारी व जनप्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया गया जिसमें लालबर्रा सी एम राइस स्कूल के सामने स्तिथ सामुदायिक भवन, लालबर्रा महाविधालय का खाली गर्ल्स हॉस्टल व आमाटोला पावर हाउस स्तिथ डॉ आंबेडकर सामुदायिक भवन देखा गया जिसमें आई टी आई हेतु लालबर्रा सामुदायिक भवन व सिविल कोर्ट हेतु पावर हाउस का अंबेडकर सामुदायिक भवन वैकल्पिक रूप से चिन्हांकित किया गया है।

जिलाधिकारी ने की विद्युत अधिकारियों के साथ बैठक, बड़े विद्युत बिल बकायेदारों से वसूली में लाएं तेजी

एसडीओ स्तर पर सबसे अधिक लाईन लॉस वाले फीडर चिन्हित कर करें कार्रवाई, बिजलीघर पर बनाएं शिकायत रजिस्टर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, विद्युत आपूर्ति में बाधा को समाप्त कर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने एवं विद्युत बिलों की वसूली कर राजस्व बढ़ाने के लिए जिलाधिकारी मनीष बंसल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि विद्युत अधिकारी एक्सईएन एवं एसडीओ स्तर पर 1 लाख रुपए से अधिक बकायेदार, 50 हजार से अधिक बकायेदार एवं 10 हजार से अधिक बकायेदार की सूची तैयार करें। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्युत बिलों के भुगतान हेतु बड़े बकायेदारों से वसूली में तेजी लाई जाए। उन्होंने लाइन लॉस को न्यूनतम करने के निर्देश दिए। जनपद में प्रत्येक एसडीओ के क्षेत्र में सबसे अधिक लाइनलॉस वाले फीडर को चिन्हित कर उसी पर फोकस कर सुधार लाया जाए। विद्युत संबंधी शिकायतों के लिए बिजलीघर स्तर पर शिकायत रजिस्टर बनाया जाए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि कर्मचारी पूरी मुस्तैदी एवं तत्परता के साथ कार्य करें ताकि जन सामान्य को विद्युत उपलब्धता को लेकर परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने एसडीओ घुन्ना की खराब कार्यशैली पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिए एमडी पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को पत्र लिखने के निर्देश दिए।

डीएम मनीष बंसल ने कहा कि जन सामान्य को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराना विभाग की महती जिम्मेदारी है। ओवरलोडिंग या फिर अन्य की वजह से विद्युत ट्रांसफार्मर जलने की दशा में जल्द से जल्द नवीन ट्रांसफार्मर का प्रतिस्थापन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि विद्युत विभाग के कर्मचारी ट्रांसफार्मर जलने या खराब होने की सूचना तत्काल संबंधित को उपलब्ध कराएंगे ताकि प्रतिस्थापन के समय को कम किया जा सके। बैठक में मुख्य अभियन्ता राजेश कुमार सहित विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

एन.आर.सी. में मिले स्वास्थ्य देखभाल से कुपोषित बच्ची अब खुद से खड़ी हो पा रही है

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम किन्द्रहो की आशा कार्यकर्ता इस बात को लेकर चिंतित थी कि ग्राम की 3 वर्षीय चांदनी जिसका वजन केवल 5 किग्रा. था कुपोषण के कारण शारीरिक कमजोरी की शिकार थी और ठीक से खड़ी भी नहीं हो पा रही थी। परिवार वाले उसके समझाने के बाद भी एन.आर.सी. में उसे भर्ती नहीं करा रहे थे। बेहद मैत्रीपूर्ण एवं स्नेहिल अंदाज में सी.बी.एम.ओ. एवं ग्राम के स्थानीय जनसेवक की समझाईश से एन.आर.सी. में भर्ती कर समुचित उपचार कराया। 21 दिन तक चिकित्सकों की निगरानी में बच्ची की स्वास्थ्य देखभाल, स्वास्थ्य सेवाप्रदाताओं द्वारा की गई। बच्ची के वजन में अपेक्षित वृद्धि हुई। शारीरिक कमजोरी भी दूर हुई। बच्ची अब खुद से खड़ी हो पा रही है। बच्ची के परिजन भी स्वास्थ्य दल के समर्पित भाव से किये गये स्वास्थ्य देखभाल से बच्ची को मिले स्वास्थ्य लाभ से स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार जताया है। यह बात सी.बी.एम.ओ. पथरिया डॉ. जतिन दुबे की जानकारी में आने पर, वे किन्द्रहो ग्राम पहुँचे। बेहद मैत्रीपूर्ण एवं स्नेहिल अंदाज में बच्ची चांदनी के पिता महेश लोधी को समझाया कि बच्ची कुपोषित है। उसके समुचित शारीरिक वृद्धि एवं विकास के लिए बच्ची को एन.आर.सी. में भर्ती कराना जरूरी है। एन.आर.सी. में न केवल बच्ची की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं देखभाल की जायेगी वरन उसके खान-पान का विशेष ख्याल रखा जायेगा। बच्ची के साथ एन.आर.सी. में रूकने वाले परिजन को भी खान-पान के साथ आर्थिक भरपाई भी की जायेगी, किन्तु वे नहीं माने। सी.बी.एम.ओ. ने ग्राम के स्थानीय जनसेवक हीरालाल लोधी से मुलाकात कर बच्ची के कुपोषित एवं एन.आर.सी. में भर्ती कर समुचित उपचार दिये जाने के संबंध में जानकारी दी। उन्होने एक साथ मिलकर एक बार फिर से बच्ची के अभिभावकों को समझाया। ग्राम के सरपंच ने राशन भी उपलब्ध कराया। परिजन बच्ची को एन.आर.सी. में भर्ती कराने तैयार हुए।

आतंकवाद के विरुद्ध एबीवीपी का बिगुल

रायपुर में आतंकवादियों का पुतला दहन

रायपुर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पूरे देश में जोरदार प्रदर्शन किया। इसी क्रम में रायपुर के सड्डू चौक में एबीवीपी रायपुर उत्तर द्वारा मशाल जलाकर आक्रोश व्यक्त किया गया।यह विरोध प्रदर्शन एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी के आव्हान पर किया गया, जिसमें रायपुर उत्तर भाग के सह मंत्री संकल्प राजकमल के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र-छात्राएं, एबीवीपी कार्यकर्ता और आम नागरिक शाम 7:30 बजे सड्डू चौक पर एकत्रित हुए।इस दुख और आक्रोश की घड़ी में रायपुर उत्तर भाग सह मंत्री संकल्प राजकमल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की भूमि पर आतंकवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। जो लोग हमारे जवानों पर हमला करते हैं, वे इस देश की सहनशीलता को उसकी कमजोरी समझने की भूल न करें। विद्यार्थी परिषद हर मोर्चे पर राष्ट्र के साथ खड़ी है। आज का यह प्रदर्शन आतंकियों और उनके आंकाओं के लिये चेतावनी है । उन्होंने सरकार से कठोरतम कार्रवाई उठाने और आतंकवाद की जड़ों को पूरी तरह समाप्त करने का आव्हान किया । उन्होंने कहा कि यह केवल विरोध नहीं, एक संकल्प है—राष्ट्र की रक्षा के लिए, उसकी अस्मिता के लिए, और हर उस आतंकी सोच के विरुद्ध, जो भारत को बाँटना चाहती है।

रायपुर की धरती से उठी यह मशाल केवल सड्डू चौक तक सीमित नहीं है, यह चेतावनी है उन तमाम ताकतों को, जो बार-बार भारत की सहनशीलता की परीक्षा लेते हैं। आज का पुतला-दहन प्रतीक है उस ज्वाला का, जो हर छात्र, हर नागरिक के भीतर जल रही है—कि अब हम चुप नहीं रहेंगे।

अब देशविरोधी मानसिकता को न केवल शब्दों से, बल्कि चेतना और कर्म से जवाब मिलेगा।

महानगर सह मंत्री सुजल गुप्ता ने कहा -आज जब देश संकट में है, तब विद्यार्थी परिषद सरकार के साथ खड़ी है। हम मांग करते हैं कि सरकार आतंकियों को जड़ से खत्म करे और उन्हें ऐसा सबक सिखाए कि भविष्य में कोई भी भारत की ओर आंख उठाकर देखने की हिम्मत न कर सके। अंत में, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जिन निर्दोष नागरिकों और जवानों की हत्या हुई है, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करती है और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है। साथ ही हम घायल लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करते हैं। छत्तीसगढ़ रायपुर के व्यापारी दिनेश मिरानिया के परिवारजनों के प्रति भी एबीवीपी गहरी संवेदना प्रकट करती है। विद्यार्थी परिषद का यह बिगुल इस बात का संकेत है कि भारत का युवा अब केवल किताबों तक सीमित नहीं रहेगा—वह सीमा पर, सड़क पर और संसद के स्वरों तक राष्ट्र की गरिमा का प्रहरी बनेगा। क्योंकि जब तक एक भी भारतीय जीवित है, भारत पर आँच नहीं आने देंगे। ***(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)***

दमोह में 'देवारण्य योजना' के अंतर्गत एक जिला-एक औषधीय उत्पादअभियान पर किसानों को मिला अश्वगंधा उत्पादन का प्रशिक्षण

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ

दमोह, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं म.प्र. राज्य औषधीय पादप बोर्ड, भोपाल के आदेशानुसार देवारण्य योजना के अंतर्गत दमोह जिले में एक जिला-एक औषधीय उत्पाद के तहत अश्वगंधा को चुना गया है। इसी क्रम में जिला आयुष कार्यालय दमोह द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न ग्रामों से आए 30 से 35 किसानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला आयुष अधिकारी एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमार पटेल ने की। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान किसानों को अश्वगंधा की औषधीय महत्ता, इसके व्यावसायिक लाभ और देवारण्य योजना के तहत मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण में कृषि विशेषज्ञ कणाद खरे, जो स्वयं भी अश्वगंधा उत्पादन में संलग्न हैं, ने रोपण की विधियों, मिट्टी की उपयुक्तता, सिंचाई, फसल प्रबंधन एवं बाजार से जोड़ने के

उपायों पर किसानों को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि जिले की जलवायु एवं मृदा संरचना अश्वगंधा की खेती के लिए अत्यंत अनुकूल है और वर्तमान में जिले में लगभग 10 एकड़ क्षेत्रफल में अश्वगंधा की खेती की जा रही है।प्रशिक्षण में डॉ. अनंत राम पटेल ने अश्वगंधा के औषधीय गुणों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह आयुर्वेदिक औषधियों में प्रमुख रूप से प्रयोग की जाती है और शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है। वहीं डॉ. अनुराग अहिरवार ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी किसानों एवं अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से किसानों की आय में वृद्धि के साथ-साथ औषधीय खेती को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को औषधीय खेती की ओर प्रेरित कर उन्हें जैविक एवं लाभकारी फसलों की ओर आकर्षित करना है। देवारण्य योजना के तहत शासन द्वारा तकनीकी सहयोग, बीज उपलब्धता, प्रशिक्षण, विपणन सहायता एवं प्रोत्साहन योजनाएं भी प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर किसानों ने प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को उपयोगी बताते हुए कहा कि वे अब अश्वगंधा की खेती की दिशा में गंभीरता से विचार करेंगे और अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। जिला आयुष कार्यालय द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है।

शिक्षक संघ ने नवागत विकासखंड अकादमिक समन्वयक का किया स्वागत

खरगोन गुरुवार को मध्यप्रदेश शिक्षक संघ ने कसरावद जनपद शिक्षा केन्द्र में नवागत विकासखंड अकादमिक समन्वयक अजय कुमार कर्मा,नरेंद्र पाटीदार,और परमानन्द पठौते के साथ ही बीआरसी राजाराम कांदूड़े का स्वागत किया। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शांतिलाल पाटीदार ने कहा कि नवागत बी ए सी के आने से विकासखंड में शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। इस अवसर पर दिलीप कुमार दुबे, प्रमोद कुमार पुरोहित,शिवशंकर पाटीदार,राजेश,राकेश पाटीदार,गजराज सिंह उपस्थित रहे।संचालन प्रमोद पुरोहित ने किया और आभार प्रवीण कुशवाह जनशिक्षक ने माना।

ई.के.वाई.सी. के लिए नगर मे जोरों से किया जा रहा प्रचार

झाबुआ/ मेघनगर। उचित मूल्य दुकान से राशन सामग्री लेने वाले पात्र हिग्रहियो को ई.के.वाई.सी. करवाना अनिवार्य है, यदि ई. के. वाई. सी. नहीं करवाने की दशा मे राशन पर्ची से नाम हटने से हिग्रहियो को राशन से वंचित रहना पड़ सकता है।

प्राप्त जनकारी के अनुसार मध्य प्रदेश शासन द्वारा निःशुल्क राशन प्राप्त करने वाले परिवार को ई. के. वाई. सी. करवाने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 निर्धारित की गई है। ई. के. वाई.सी. नही करवाने पर पात्रता पर्ची से हिग्रहियो के नाम हट जाएंगे।

ई.के.वाय.सी . दो प्रकार से करवाई जा सकती है, जिसमे पहला उचित मूल्य दुकान विक्रेता के पास POS मशीन मे आधार नंबर दर्जे करवा कर बायोमेट्रिक सत्यापन के द्वारा किया जा सकता है। यह बायोमेट्रिक सत्यापन राज्य के किसी भी जिले की उचित मूल्य दुकान पर POS मशीन से करवाया जा सकता है।

दूसरा मोबाइल एप के मध्यम से आधार फेस आई डी/प्ले स्टोर से डाउनलोड करके, ई.के.वाई.सी . एप डाउनलोड करके मेरा ई. के. वाय. सी. एप मे राज्य मध्य प्रदेश सिलेक्ट कर लोकेशन वेरी फाई करना है। आधार नंबर दर्ज करने पर ओ. टी. पी. प्राप्त कर केप्चा डालने पर आधार से फेस मिलन हेतु सहमति प्रदान होने पर ई. के. वाई. सी. रजिस्ट्रड का सफल मेसेज आ जाएगा।

इस हेतु मेघनगर जनपद व नगर से सभी विक्रेताओं को शेष बचे हिग्रहियो की सूची प्रदान कर सभी से संपर्क किया जा रहा है। इसके साथ ही फलियों व वार्ड मे मुनादी करवाई जाकर भ्रमण किया जा रहा है। उक्त जनकारी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मेघनगर धर्मेंद्र सिह, उचित मूल्य दुकान विक्रेता सुलभ पंचाल, नानुराम नायक, अर्जुन बसोड द्वारा सयुक्त रूप से प्रदान की गई।

प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी सहित मुनिमण्डल का मंगल प्रदार्पण

व्होरा परिवार ने मुमुक्षु अदिति बहन का आज्ञा-पत्र सौंपा - 5 जून को बदनावर में होगी दीक्षा

झाबुआ थांदला

संयम तप महोत्सव में अणु बगिया के शिखर पुरूष धर्मदास गण के नायक आगम विशारद बुद्धपुत्र प्रर्वतक पूज्य गुरुदेव श्री जिनेंद्रमुनिजी म. सा. आदि ठाणा - 3 का सुजापुरा कि ओर से व अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी म. सा. आदि ठाणा - 8 का पेटलावद बावड़ी फारेस्ट पंचायत कि ओर से थांदला में मंगल पदार्पण हुआ। थांदला विराजित संत एवं सती मण्डल सहित सैकड़ो गुरु भक्तों का हुजूम गुरुदेव की भव्य अगवानी के लिए उत्तरी छोर पहुँचा। उत्साह उल्लास व उमंग के साथ सैकड़ो गुरु भक्तों ने देखो रे देखो कौन पधारे - भक्तों के भगवान पधारे एक बार जोर से - जय गुरु उमेश, संयम इनका सख्त है - तभी तो लाखों भक्त है जैसे गगनभेदी नारों से पुरा वातावरण गुंजायमान कर दिया। जैन जेनेत्तर सभी जिन शासन की महिमा व भरी गर्मी में गुरुदेव का नँगें पैर ईर्या समिति का पालन करते चलना उनके उत्कृष्ट क्रिया में उन्हें वंदन करते देखा गया। पूज्य गुरुभगवंतों ने पौषध भवन पर महा प्रवेश करते ही सदन धर्मसभा के रूप में परिवर्तित हो गया।

अक्षय तृतीया आदिनाथ भगवान के तप से जुड़ा प्रसंग - प्रवर्तकश्रीजी जैन धर्म में तीर्थंकर का धर्म ही आगम है। यह आगमवाणी भव्य जीवों को भव से तार देती है। तीर्थंकरों का चारित्र सुनने से कर्मों की कोड़ खप जाती है व विशिष्ट पुण्य का अर्जन होता है। पूज्य श्री ने कहा सामान्य पुरूष से विशिष्ट पुरूष बनने की कथा ही तीर्थंकर चारित्र से ग्रहण करने जैसी है। आपश्री ने भगवान आदिनाथ के समकित प्राप्ति के प्रथम धन्य सार्थवाह भव से लेकर उनके दूसरे युगलिक, तीसरें प्रथम देवलोक व चौथें भव में महाबल राजा के भव का चारित्र सुनाया। इस अवसर पर पूज्य श्री गिरीशमुनिजी ने कहा कि अक्षय तृतीया पर 300 से ज्यादा तपस्वी अपनी वार्षिक तप की आलोचना शुद्धि करंगें ही लेकिन इससे अधिक महत्वपूर्ण दो दीक्षा के प्रसंग उपस्थित हो रहे है। ऐसे में सुनने में आया कि इस भीषण गर्मी में उष्ण परीषह सहन करते हुए संत-सतियों ने दिन में भी थांदला कि ओर विहार किया यह सब संयम के महत्व को प्रदर्शित करता है। उपस्थित परिषद भी संयम के महत्व को समझे इस हेतु आपने नागदा के गौरव जाट का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जेनेत्तर भी धर्म को समझकर उससे प्रेरणा ले कर अपने जीवन का उत्कर्ष कर सकता है फिर आज तो इस सभा में नव्या बहन, आदिती बहन व ललित भैया बैठे ही है जो संयम पर चलने को तैयार है इसमें हम सब भी अनुमोदना से अपने भाव भी बनाने का प्रयास करें। महासती वृन्द ने गुरुदेव के मंगल पदार्पण पर मंगल स्तवन गाया।

बदनावर व्होरा परिवार ने सौंपा आज्ञापत्र धर्म सभा में रतलाम, खवासा, बामनिया, पेटलावद, झाबुआ, मेघनगर, रम्भापुर, कल्याणपुरा व बदनावर की गौरवशाली उपस्थिति में मुमुक्षु अदिति बहन व्होरा की दीक्षा की पारिवारिक आज्ञा का पत्र उनके माता-पिता शीतल सुशील व्होरा सहित परिजनों ने गुरुदेव को सौंपतें हुए उनकी दीक्षा तिथि घोषित करने का निवेदन किया। गुरुदेव के परिवार की भावना अनुरूप द्रव्य-क्षेत्र-काल-भाव के समस्त आगर रखते हुए आगामी ज्येष्ठ सुदी दशमी (5 जून 2025, गुरूवार) को वर्धमान पुर बदनावर में दीक्षा की तिथि घोषित करते ही सदन दीक्षार्थी के जयकारों से भर गया। आप शासन प्रभाविका पूज्या महासती श्री संयमप्रभाजी म.सा. का सुशीष्यत्व ग्रहण करेंगी।

मुमुक्षु अदिति बहन का गुरुभगवंतों से निवेदन गुरुभक्ति से ओतप्रोत संयम स्तवन पंक्ति के साथ अदिति बहन ने गुरुभगवंतों के प्रति आभार मानते हुए कहा कि आज का दिन उनके लिए अविस्मरणीय दिन है आज से वे अपने मोक्ष लक्ष्य की तरफ प्रवेश कर रही है। अदिति बहन ने कहा कि सच में त्याग तो मेरे परिवार का है जो मेरे भौतिक साधनों के तुच्छ त्याग के आगे उन्होंनें अपने मोह पर विजय प्राप्त कर मुझे आध्यात्मिक मार्ग पर जाने की आज्ञा प्रदान की है। गुरुभगवंतों के साथ उनका यह उपकार मुझे सदा याद रहेगा। आदिति बहन ने सभी गुरुभगवंतों व सदन से उनकी दीक्षा में आकर मंगल आशीर्वाद प्रदान करने की विनन्ति की। अदिति बहन का परिचय उनकी सांसारिक भाभी नीलू बहन व्होरा ने दिया तो आज्ञापत्र का वाचन अनिल व्होरा ने किया। परिवार की बहन बेटियों ने स्तवन के माध्यम से भावाभिव्यक्ति की। धर्मदास गण परिषद व थांदला श्रीसंघ अध्यक्ष भरत भंसाली ने सकल गण परिषद कि ओर से व्होरा परिवार का अनुमोदन करते हुए अदिति बहन की संयम यात्रा की अग्रिम शुभकामनाएं प्रेषित की। वही संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मुमुक्षु अदिति बहन सहित व्होरा परिवार का शाल माला से बहुमान किया। संचालन संघ सचिव प्रदीप गादिया ने किया।

थांदला में संत-सतियों का लगा ठाठ जानकारी देते हुए संघ प्रवक्ता पवन नाहर ने बताया कि पूज्य गुरुदेव जिनेंद्रमुनिजी म.सा. सहित संत सती मण्डल के थांदला पधार जाने से थांदला में संत-सतियों का ठाठ लग गया है। यहाँ प्रवर्तक श्री के साथ अणुवत्स पूज्य श्री संयतमुनिजी, तत्वज्ञ पूज्य श्री धर्मेन्द्रमुनिजी आदि ठाणा - 18 पौषध भवन पर विराजित है वही सौम्यमूर्ति पूज्या श्री मधुबालाजी म.सा., पूज्या श्री धैर्यप्रभाजी म.सा., पूज्या श्री पुण्यशीलाजी म.सा. आदि ठाणा - 22 दौलत भवन स्थानक पर व शासन प्रभाविका पूज्या श्री संयमप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा -9 त्यागी भवन पर सुख साता पूर्वक विराजित है।

गुरुभगवंतों के आने से बदल गया माहौल ललित जैन नवयुवक मंडल अध्यक्ष रवि लोढ़ा, सचिव संदीप शाहजी, प्रवक्ता समकित तलेरा, महिला मंडल अध्यक्ष पुष्पा घोड़ावत, कोषाध्यक्ष सुनीता पीचा ने बताया कि अक्षय तृतीया संयम तप महोत्सव में गुरुदेव के आगमन के साथ ही थांदला में धर्ममय माहौल हो गया है। चारों तरफ नवकार महामंत्र के जाप, चौवीसी, धर्म सभा के साथ अन्य धार्मिक आयोजन हो रहे है वही अणु पब्लिक स्कूल पर अक्षय तृतीया की तैयारियां भी जोरो पर चल रही है। आज के आयोजन में प्रातः नवकारसी का लाभ संस्कार पब्लिक स्कूल पर श्रीमती सम्पतबाई कांतिलाल जी पीचा परिवार थांदला द्वारा लिया गया वही व्होरा परिवार व शाहजी परिवार ने धर्म प्रभावना का लाभ लिया। इस अवसर पर अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किये जिनमें वीर माता आशुका लोढ़ा के वर्षितप में 4 उपवास प्रमुख रहे।

डिप्टी कलेक्टर सलोनी अग्रवाल को ज्ञापन दिया अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

धार

निजी विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों और अभिभावकों का शोषण रोकने हेतु ग्राहक पंचायत धार ईकाई ने दिया ज्ञापन

धार । अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला धार ईकाई नें कलेक्टर के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर सलोनी अग्रवाल को दिया ज्ञापन। संयोजक महेंद्र सिंह ठाकुर ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि अभिभावकों से शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि जिले के निजी विद्यालयों द्वारा प्रकाशकों से सांठगांठ करके खुलेआम विद्यार्थियों और अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है।

1.विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को नियम विरुद्ध रूप से, हृष्टश्वत्रञ्ज की पुस्तकों के स्थान पर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें क्रय करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिसके कारण अभिभावकों को छोटी-छोटी कक्षाओं के बच्चों के पाठ्यक्रम की पुस्तकें हजारों रुपयों में क्रय करना पड़ रही हैं। विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को अत्यधिक संख्या में पुस्तकें क्रय करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिसके कारण छोटे-छोटे विद्यार्थियों के बस्तों का वजन शासन द्वारा निर्धारित वजन से बहुत अधिक हो गया है। इसके कारण अभिभावकों के मानसिक एवं आर्थिक शोषण के साथ-साथ बच्चों का मानसिक और शारीरिक शोषण हो रहा है और बच्चों का मानसिक व शारीरिक विकास बाधित हो रहा है। 2.निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों को विद्यार्थियों की ड्रेस सामग्री निश्चित दुकान से ही खरीदने का दबाव बनाया जाता है जिससे इन तय दुकान द्वारा बाजार में एकाधिकार होने से मनमाने रेट पर ड्रेस का विक्रय किया जा रहा है! 3. निजी विद्यालयों द्वारा प्रत्येक वर्ष छात्रों की फीस को नियम विरुद्ध रूप से बढ़ाया जा रहा है, जिससे अभिभावकों की जेब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है । 4.स्कुल की फीस को लेकर कॉलेज की तर्ज पर एक समिति बनाई जाये जिसके माध्यम से फीस वृद्धि करने के लिये स्कुल संचालक समिति से सलाह ले।

5.आगामी स्कुल सत्र के लिये जबलपुर कलेक्टर की तरह धार जिले में भी हृष्टत्रञ्ज की शासकीय पुस्तकें अनिवार्य रूप से लागु करने के लिये निजी स्कुल संचालको को आदेशित करें। 6. पूर्व में शासन के द्वारा छात्रों के बस्ते (बैग) का वजन को लेकर भी गाइडलाइन तय की गई थी जिसे नतो स्थानीय शिक्षा विभाग ने पालन किया और नहीं प्राइवेट स्कूलों में लागु करवाया।

अतः अ.भा.ग्राहक पंचायत जिला धार इस ज्ञापन के माध्यम से आपसे माँग करती है कि विद्यालयों द्वारा किये जा रहे इस शोषण को रोकने के लिए एक टीम गठित की जाये जों की समय समय पर स्कूलों का अवलोकन भी करें साथ हीं उसमें ग्राहक पंचायत के सदस्यों को भी शामिल किया जाये जिससे विद्यालयों की स्तिथि का पता लग सके। उक्त ज्ञापन में संयोजक महेंद्र सिंह ठाकुर , अंकित फकीरा, जितेन्द्र ठाकुर, ओमप्रकाश माधवाचार्या, जितेंद्र लववंशी, विशाल परमार व कार्यकर्ता शामिल हुए।

62 लाख रु के विकास कार्यो जनता को समर्पित

उज्जैन

नागदा-खाचरोद विधानसभा क्षेत्र में नागदा खाचरौद विधानसभा के लोकप्रिय जनसेवक डॉ तेजबहादुर सिंह चौहान द्वारा नागदा खाचरौद विधानसभा में 62 लाख रु के विकास कार्यो का भुमिपूजन एवं लोकार्पण किया जिसमें ग्राम कड़ियाली में ? 55 लाख रु की राशि के निर्माण कार्यो का लोकार्पण एवं भुमिपूजन किया जिसमे ग्राम कड़ियाली में 49 लाख 14 हजार रु की राशि से नव निर्मित उप स्वास्थ्य केंद्र का लोकार्पण एवम 6 लाख रु की राशि सी सी रोड़ के निर्माण के विकास कार्यो का भुमिपूजन ग्रामीण जनो एव पार्टी के परिवार जनोंके साथ किया साथ ही ग्राम चिरोला में सी सी रोड़ निर्माण हेतु 5 लाख एवं नाली निर्माण हेतु 2 लाख रु के निर्माण कार्यो का भुमिपूजन कर क्षेत्र की जनता को विकास कार्यो की सौगात दी इस अवसर पर डॉ तेजबहादुर सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार माना इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ , लालसिंह राणावत, सरपंच, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष जयदीप सिंह सोनगरा, चिरोला सरपंच, जनपद सदस्य, लाल सिंह बंजारी, अनिल कटारिया बी एम ओ ,ग्रामीण किसानभाई ,कार्यकर्ता बन्धु, ओर पार्टी के वरिष्ठजन उपस्थित रहे !

जीवन कर्म प्रधान के साथ धर्म प्रधान भी हो

उज्जैन

धन धर्म में लगे मन भक्ति में लगे और तन सेवा में लगे तबही जीवन की सार्थकता है कथाओं का सार भी यही है यह जीवन कर्म प्रधान है तो धर्म प्रधान भी होना चाहिए । धन की सार्थकता धर्म में व कर्म की सार्थकता श्रेष्ठ कर्म मे है धन कमाने के बाद धर्म में भी लगना चाहिए । वही श्रेष्ठ धन है । हमारे द्वारा कीया श्रेष्ठ कर्म जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है जो जन्म-जन्मांतर तक रहता है, धन वैभव संपदा का अभिमान विनाश की ओर ले जाता है श्रेष्ठ कर्म करने वाले सदैव दिलों में बसे रहते है उक्त बात रेतीपुरा बालाजी मंदिर पर कलाल परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा की पूर्णाहुति में सामाजिक कार्यकर्ता नारायणसिंह चिकलाना उपस्थित धर्मालुओं को संबोधित करते हुए कही आगे चिकलाना ने कहा कि पुरी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ धर्म सनातन धर्म है जो सदियों है और रहेगा सनातन धर्म में विश्व कल्याण के भाव है यह धर्म मनुष्य मात्र सुखी होने की कामना करता है इस अवसर कथा के यजमान बगदीराम कलाल मंदिर समिति के गोवर्धनसिंह देवड़ा दोलतसिंह देवड़ा भेरूलाल पाटीदार सरपंच एवं आसपास के अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे सप्त दिवसीय कथा का वचन सुभाष जी जोशी ने प्रतिदिन किया !

निजी विद्यालयों से सभी मापदण्डों का पालन कराएं- कलेक्टर सुश्री बाफना

शाजापुर

शिक्षा विभाग के कार्यो की कलेक्टर ने समीक्षा की

जिले में संचालित सभी निजी विद्यालयों से शासन द्वारा निर्धारित सभी मापदण्डों का पालन कराएं। मापदण्डों का पालन नही करने वाले विद्यालयों के विरूद्ध कार्रवाई करें। उक्त निर्देश कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना ने आज शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा के दौरान दिए। कलेक्टर सुश्री बाफना ने डीपीसी एवं बीआरसी को निर्देश दिए कि वे सभी विद्यालयों का सूक्ष्मता के साथ निरीक्षण करें, जो विद्यालय मापदण्ड पूरे नहीं कर रहे हैं, ऐसे विद्यालयों के विरूद्ध कार्रवाई करें। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कोई भी निजी विद्यालय शासन की नीति के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक शुल्क में वृद्धि नहीं करें। कलेक्टर ने मोहन बड़ोदिया के बीआरसी का प्रभार शाजापुर बीआरसी को अतिरिक्त रूप से सौंपने एवं बिना अनुमति के बीआरसी का प्रभार बीएसी को देने पर कलेक्टर ने डीपीसी को कारण बताओं सूचना पत्र देने के भी निर्देश दिए। बैठक में सीएम राइज विद्यालयों के निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने विद्यालयों के आसपास की शासकीय भूमि को छात्रावास एवं अन्य निर्माण कार्यो के लिए सुरक्षित कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम राईज विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने के लिए सीएम राईज विद्यालय के 03 से 05 किलोमीटर परिधि के शासकीय विद्यालयों के बच्चों को प्रवेश देने की कार्यवाही करने के लिए कहा। बैठक में कलेक्टर ने अपार आईडी क्रियेशन में आने वाली समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। स्वीकृत एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए सभी विद्यालयों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने, स्मार्ट क्लास के लिए प्राप्त हुए इन्ट्रेक्टिव पेनल को संबंधित विद्यालयों एवं छात्रावासों में देने के निर्देश दिए और इनका समुचित उपयोग भी करने के लिए कलेक्टर ने कहा। कलेक्टर ने विद्यालयों में अतिरिक्त भवन एवं अन्य संसाधनों की आवश्यकता के संबंध में प्रस्ताव देने के लिए कहा। विद्युत एवं पेयजल की व्यवस्था के लिए 106 विद्यालयों को प्रदाय राशि के उपयोग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में लड़कियों के लिए टायलेट निर्माण एवं नियमित सफाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एफएलएन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी शिक्षकों से शिक्षक संदर्शिका के अनुसार अध्यापन कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अंग्रेजी विषय के सभी शिक्षकों को सिखाने की कला में परिवर्तन लाने के लिए कहा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री नेहा गंगारे, जिला? शिक्षा अधिकारी डॉ. विवेक दुबे, डीपीसी श्री अनुराग पाण्डेय, सहायक संचालक शिक्षा सर्व श्री राजेन्द्र शिप्रे व श्री पुष्पेन्द्र सिंह सस्त्या सहित खण्ड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी एवं अन्य शासकीय सेवक उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार एवं पहलगाम में निर्दोष पर्यटन की हत्या के विरोध में ज्ञापन

धार

नरेंद्र मोदी विचार मंच जिला धार पश्चिम बंगाल मैं हिन्दुओं पर अत्याचार एवं पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या के विरोध मेंज्ञापन धार निप्र नरेंद्र मोदी विचार मंच जिला धार द्वारा राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन एसडीएम रोशनी पाटीदार को दिया गया ज्ञापन में लिखा गया कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार उनकी हत्या बहन बेटियों के साथ दुर्व्यवहार एवं निर्दोष नागरिकों की हत्या एवं पलायन को रोकने के लिए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग को लेकर और हाल ही में कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म कुछ कर उनकी मिनिमम हत्या करने वाले आतंकवादियों वी पाकिस्तान पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई इस अवसर पर मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश माहेश्वरी महाकौशल प्रांत सह प्रभारी राजा भाऊ भदाने जिला अध्यक्ष मुकेश निगम जिला महामंत्री प्रवीण टाक जिला उपाध्यक्ष नमन रावल नगर अध्यक्ष शैलेश बिजवा धार विधानसभा अध्यक्ष ताजूठेकेदार भगवानदास मालवीय कमल हरोड़ मुकेश सिसोदिया नारायण जोशी रुपेश बड़जातिया अशोक मुनिया राम बुंदेला अजय मौर्या अनुराग वोडाने सुनील कश्यप यशपाल नागर शैलेंद्र तिवारी गणेश राठौड़ मनीष दीपक वसुनिया तिलोक चौहान अंकित चौहान कालू एवं मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे

आतंकवाद के खिलाफ दमदार है ग्राउंड जीरो की कहानी, सोशल मीडिया पर फैंस कर रहे तारीफ

इमरान हाशमी की बहुप्रतीक्षित फिल्म ग्राउंड जीरो बड़े पर्दे पर आ चुकी है। कई लोगों ने फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग में देखा है। ऐसे में इस फिल्म पर कई सोशल मीडिया यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। तेजस प्रभा विजय देओस्कर के निर्देशन में बनी फिल्म बीएसएफ अफसर नरेंद्र नाथ दुबे पर आधारित है। कीर्ति चक्र पाने वाले अफसर ने साल 2001 में जैश-ए-मोहम्मद के सरगना राना ताहिर नदीम उर्फ गाजी बाबा का पर्दा फाश किया था।

पहलगाम हमले के वक्त रिलीज हुई फिल्म ग्राउंड जीरे फिल्म की कहानी असली कहानी पर आधारित है। यह फिल्म उस दौर की कहानी दिखाती है जब कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। फिल्म ऐसे वक्त रिलीज हुई है जब कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ है। 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हुए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। हमले के बाद से देश के लोगों में गम व गुस्सा है।

ग्राउंड जीरो की यूजर कर रहे तारीफ सोशल मीडिया पर उन यूजर्स ने फिल्म के बारे में अपनी प्रतिक्रिया दी है जिन लोगों ने फिल्म को स्पेशल स्क्रीनिंग में देखा है। एक यूजर ने एक्स पर लिखा है आतंकवाद के खिलाफ ग्राउंड जीरो की कहानी बहुत दमदार है। इसकी कहानी मौजूदा दौर से जुड़ी हुई महसूस होती है। इमरान हाशमी ने इसमें जबरदस्त रोल अदा किया है। जोया हुसैन और साई ताम्हणकर का किरदार भी अच्छा है। स्क्रीनप्ले भी अच्छा है।

हमारी धरती की याद दिलाती है ग्राउंड जीरो एक दूसरे यूजर ने ग्राउंड जीरो के बारे में लिखा है ग्राउंड जीरो पसंद आई। निर्देशक तेजस और टीम का काम अच्छा है। कश्मीर भारत में है और यह फिल्म हम सभी को हमारी खूबसूरत धरती की याद दिलाती है। बहुत बढ़िया काम है। जय हिंद।

कश्मीर की खूबसूरती और विवाद फिल्म में कश्मीर की खूबसूरती दिखाई गई है इसके साथ ही यहां पर विवाद की सच्चाई भी दिखाई गई है।

ऐसे में सोशल मीडिया पर आ रहे शुरूआती रिएक्शंस से लगता है कि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रभाव डालने वाली है।

रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म करना चाहते हैं बाबिल, अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर किया खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता रहे इरफान खान के बेटे बाबिल खान भी धीरे-धीरे अपने प्रोजेक्ट्स के जरिए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में बाबिल ओटीटी पर रिलीज हुई फिल्म 'लॉगआउट' में नजर आए थे। इसमें उन्होंने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाई थी। अब बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि वो किस तरह की फिल्म करना चाहते हैं।

अब रॉम-कॉम में नजर आएंगे

बाबिल हाल ही में 'फिल्मीबीट' के साथ बातचीत में बाबिल ने अपने आगामी प्रोजेक्ट और निजी जिंदगी में रोमांस को लेकर बात की। बाबिल ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रोमांटिक शो है। उन्होंने कहा, रोमांटिक कॉमेडी जॉनर में मेरी गहरी दिलचस्पी है। मैं वास्तव में रोमांटिक-कॉमेडी करना चाहता हूं। मैं अब एक रॉम-कॉम पर काम कर रहा हूं। हालांकि, बाबिल ने अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी। लेकिन इतना तय है कि उनका अगला प्रोजेक्ट एक रॉम-कॉम है।

फोन में नहीं हैं बाबिल के कोई सीक्रेट

इस बातचीत के दौरान बाबिल ने अपने रियल लाइफ प्यार और अपने जीवन के सीक्रेट्स को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि मेरे सीक्रेट्स मेरे फोन पर नहीं हैं। मेरे सारे सीक्रेट मेरे दिल में हैं। अगर मेरा दिल चुरा लिया जाता है, जो आमतौर पर होता है। तो सारे सीक्रेट जाने जा सकते हैं।

अलग-अलग किरदार निभा रहे

बाबिल बाबिल ने अभी इंडस्ट्री में ज्यादा काम नहीं किया है। लेकिन अपने छोटे से करियर में ही वो अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभा रहे हैं। बाबिल चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहते हैं। जो उनकी फिल्मोग्राफी में देखने को भी मिलता है। जिसमें 'कला' से लेकर 'द रेलवे मैन' और 'लॉगआउट' जैसे अलग-अलग किरदार शामिल हैं।

अब तक नहीं देखी सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव ?

इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उठा सकते हैं लुत्फ

अगर आप बड़े पर्दे पर सुपर बॉयज ऑफ मालेगांव नहीं देख सके हैं तो अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं। प्राइम वीडियो ने सिनेमा प्रेमियों के लिए एक खास तोहफा पेश किया है। इस फिल्मों को अब इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम किया जा सकता है।

फिल्म में हैं ये सितारे एक्सेल एंटरटेनमेंट और टाइगर बेबी की ओर से निर्मित यह फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ओरिजिनल फिल्म, रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, जोया अख्तर और रीमा कागती के प्रोडक्शन में बनी है। रीमा कागती ने इसका निर्देशन किया है, जबकि कहानी वरुण ग्रोवर ने लिखी है। यह फिल्म आदर्श गौरव, विनीत कुमार सिंह और शशांक अरोड़ा जैसे शानदार कलाकारों से सजी है।

क्या है फिल्म की कहानी? सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव मालेगांव के एक शौकिया फिल्ममेकर नासिर शेख की सची कहानी से प्रेरित है। मालेगांव के लोग अपनी मेहनत भरी जिंदगी से राहत पाने के लिए बॉलीवुड फिल्मों का सहारा लेते हैं। नासिर अपने शहरवासियों के लिए कुछ अलग करने का सपना देखता है। वह अपने दोस्तों के साथ मिलकर मालेगांव के लोगों द्वारा और उनके लिए एक फिल्म बनाता है। यह फिल्म न केवल उसके सपने को सच करती है, बल्कि पूरे शहर में नई उम्मीद जगाती है। यह कहानी दोस्ती, जुनून और सिनेमाई रचनात्मकता का खूबसूरत से पेश करती है।

वैश्विक स्तर पर मिली खूब वाहवाही प्राइम वीडियो पर रिलीज होने से पहले इस फिल्म ने दुनियाभर के फिल्म समारोहों में खूब धूम मचाई। 49वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसके विश्व प्रीमियर को स्टैंडिंग ओवेशन मिला। 36वें पाम स्प्रिंग्स इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसे यंग सिनेस्ट्स अवॉर्ड में विशेष सम्मान मिला। साथ ही, ऑस्ट्रेलिया के पहले नेशनल इंडियन फिल्म फेस्टिवल में इसे सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला।

नारीवाद को लेकर अभिनेत्री मालविका मोहनन ने रखे विचार

बोलीं- इसके कई मतलब निकाले जाते हैं

साउथ ही नहीं बॉलीवुड फिल्मों में भी अभिनय कर चुकी अभिनेत्री मालविका मोहनन ने सिनेमा की दुनिया में नारीवाद को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि नारीवाद का मतलब है समानता।

मालविका मोहनन ने क्या कहा?

अभिनेत्री मालविका मोहनन ने हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में फिल्म इंडस्ट्री में महिला और परुषों की समानता के बारे में बात की। एक्ट्रेस से जब नारीवाद को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने इसके जवाब में कहा कि नारीवाद के बारे में लोग कई तरह का मतलब निकालते हैं। ऐसा कुछ नहीं है इसका सीधा सा मतलब है पुरुषों और महिलाओं में समानता। महिलाओं को सभी अधिकार मिलने चाहिए और उन्हें भी समान दृष्टि से देखा जाना चाहिए।

अभिनेत्री ने सभी से समानता की उम्मीद जताई

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा कि वह उम्मीद करती है कि लोग महिलाओं और पुरुषों को समान रूप से देखेंगे और इसे अपने जीवन में शामिल करेंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस ने महिलाओं के बारे में बात करते हुए कहा कि उनके साथ कॉलेज के दौरान कई लड़कियां पढ़ती थीं, लेकिन वो आज इंडस्ट्री में नहीं दिखती। इस बात पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें काम करने का मौका मिलना चाहिए और उनके लिए सुरक्षा जैसे मानकों पर इंडस्ट्री को ध्यान देना चाहिए।

मालविका मोहनन का वर्कफ्रंट

मालविका मोहनन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह 'बाहुबली' फेम अभिनेता प्रभास के साथ फिल्म 'राजा साहब' में नजर आएंगी। इसके अलावा कार्थी के साथ भी एक फिल्म 'सरदार 2' में नजर आएंगी। साथ ही वह इस समय मलयालम फिल्म 'हृदयपूर्वम' में मोहनलाल के साथ अभिनय कर रही हैं। मालविका और मोहनलाल के बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है, जहां मालविका 31 वर्ष की हैं, तो मोहनलाल 64 साल के हैं। मोहनलाल के साथ फिल्म करके मालविका काफी खुश हैं।

स्पोर्ट्स

आईपीएल 2025: आरसीबी ने घरेलू मैदान पर दर्ज की सीजन की पहली जीत, राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हराया

बेंगलुरु। आईपीएल 2025 के 42वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम पर शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 11 रनों से शिकस्त दी। यह जीत आरसीबी की इस सत्र में अपने होम ग्राउंड पर पहली है और इसके साथ ही टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम ने 5 विकेट पर 205 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। ओपनर्स फिल सॉल्ट (26) और विराट कोहली (70) ने तेज शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। कोहली ने अपनी 70 रनों की शानदार पारी में 8 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल (50 रन) ने विराट के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 105 रनों की अहम साझेदारी की। अंत में टिम डेविड (23 रन, 15 गेंद) और जितेश शर्मा (नाबाद 20 रन, 10 गेंद) की तेज पारियों ने स्कोर को 200 के पार पहुंचाया।राजस्थान की ओर से संदीप शर्मा ने दो विकेट, जबकि हसरंगा और जोफ्रा आर्चर ने एक-एक विकेट लिया।206 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी रही। यशस्वी जायसवाल (49 रन, 19 गेंद) ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, लेकिन उन्हें जॉश हेजलवुड ने आउट कर दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते गए। रियान पराग (22 रन), नीतीश राणा (28 रन) और हेटमायर (11 रन) पिच पर टिक नहीं सके। हालांकि ध्रुव जुरेल (47 रन) ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन जोश हेजलवुड के शानदार 19वें ओवर ने मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। राजस्थान की टीम 20 ओवरों में 9 विकेट पर 194 रन ही बना सकी और मैच 11 रन से हार गई।आरसीबी के लिए जॉश हेजलवुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और करुणाल पंड्या ने 2 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार को एक सफलता मिली।इस जीत के साथ आरसीबी के 12 अंक हो गए हैं, और अब वो गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के साथ शीर्ष तीन में शामिल हो गई है।

आईपीएलः सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंचे विराट कोहली

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल) में गुरुवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए मुक़ाबले के बाद सर्वाधिक रन बनाने वालों और विकेट लेने वालों की सूची में कई बदलाव हुए।

साई सुदर्शन शीर्ष पर कायम, कोहली दूसरे स्थान पर पहुंचे

गुजरात टाइटंस के युवा बल्लेबाज बी. साई सुदर्शन 417 रन बनाकर अब भी पहले स्थान पर बने हुए हैं। उन्होंने आठ मैचों में 52.12 की औसत और 152.18 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं, विराट कोहली ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाते हुए ऑरेंज कैप की दौड़ में लंबी छलांग लगाई है। राजस्थान के खिलाफ उन्होंने 42 गेंदों में 70 रन बनाए और अब उनके नाम नौ पारियों में 392 रन हो गए हैं।

निकोलस पूरन खिसके, सूर्यकुमार चौथे नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन ने प्रतियोगिता की शुरुआत धमाकेदार अंदाज़ में की थी और काफी मैचों तक सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। लेकिन हाल के मुकाबलों में खराब फॉर्म की वजह से अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम 377 रन हैं। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने हर मैच में उपयोगी योगदान दिया है और अब 373 रनों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पर्पल कैप की दौड़: हेज़लवुड ने पकड़ी रफ्तार गुजरात टाइटंस के तेज़ गेंदबाज़ प्रसिद्ध कृष्णा अब भी सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप धारक हैं। उन्होंने आठ मैचों में 16 विकेट लिए हैं। लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के जोश हेज़लवुड ने राजस्थान के खिलाफ 4 विकेट लेकर 16 विकेट पूरे कर लिए हैं। हालांकि उनकी रनगति (इकोनॉमी रेट) अधिक होने के कारण वह दूसरे स्थान पर हैं।

12 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की होड़ प्रसिद्ध कृष्णा और जोश हेज़लवुड के बाद सात गेंदबाज ऐसे हैं जिनके नाम 12-12 विकेट हैं। इनमें आरसीबी के करुणाल पांड्या (2 विकेट बनाम राजस्थान) नया नाम हैं। अन्य गेंदबाजों में गुजरात टाइटंस के आर. साई किशोर और मोहम्मद सिराज, चेन्नई सुपर किंग्स के नूर अहमद, दिल्ली कैपिटल्स के कुलदीप यादव, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या और लखनऊ सुपर जायंट्स के शार्दुल ठाकुर शामिल हैं। इनमें सबसे किफायती गेंदबाज़ कुलदीप यादव हैं - 6.50 की रनगति के साथ, जबकि नूर अहमद 7.66 के रनगति के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज 2025: कार्लसन की गैरमौजूदगी में प्रज्ञानानंद खिताब के प्रबल दावेदार

नई दिल्ली। ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट शनिवार से शुरू हो रहा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इस बार नॉर्वे के स्टार खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन हिस्सा नहीं ले रहे हैं, जिससे भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद खिताब के सबसे बड़े दावेदारों में शुमार हो गए हैं। इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथंबरम भाग ले रहे हैं। कार्लसन की गैरमौजूदगी ने मुकाबले को पूरी तरह खुला बना दिया है और ऐसे में प्रज्ञानानंद की तेजी से खेले जाने वाले फॉर्मेट में सटीकता उन्हें बेहद खतरनाक खिलाड़ी बनाती है। उन्होंने इस साल टाटा स्टील मास्टर्स में विश्व चैंपियन डी. गुकेश को हराकर खिताब जीता था, जिससे उनके आत्मविश्वास में जबरदस्त इजाफा हुआ है। अरविंद चिथंबरम ने प्राग मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन कर यह वाइल्ड कार्ड एंट्री हासिल की है। यह टूर्नामेंट उनके लिए बड़ी परीक्षा की तरह होगा, जहां उन्हें विश्व स्तरीय खिलाड़ियों का सामना करना है। फ्रांस के अलीरेजा फिरूज़जा को भी खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं उनके हमवतन मैक्सीम वाचिए-लाग्रेव भी पिछले दशक में फ्रेंच खिलाड़ियों की छवि को आगे बढ़ाने की उम्मीदों के साथ उतरेंगे। पोलैंड के डूडा और अमेरिका के लेवोन अरोनियन भी खिताब की रेस में रह सकते हैं। विश्व नंबर-1 मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल फॉर्मेट में अपनी रुचि कम होने की बात स्वीकार करते हुए इस टूर्नामेंट से दूरी बना ली है। वे अब 'फ्रीस्टाइल चेस' की ओर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और हाल ही में लगातार दो टूर्नामेंट जीत चुके हैं। इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है, और इसके साथ-साथ पूरे सीजन के अंत में ग्रैंड प्राइज का हिस्सा बनने का मौका भी मिलेगा। हर टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर अंक मिलते हैं, जो अंत में ग्रैंड चेस टूर के विजेता का फैसला करेंगे।

वर्जीनिया में एयरशो से पहले विमान क्रैश, पायलट रॉब हॉलैंड की मौत

हैम्पटन। वर्जीनिया के लैंगली एयर फ़ोर्स बेस पर गुरुवार को विमान क्रैश होने से एयरोबैटिक पायलट रॉब हॉलैंड की मौत हो गई। वह इस सप्ताहांत एयरशो में हिस्सा लेने वाले थे। रॉब हॉलैंड के इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की पुष्टि की गई है।

एबीसी न्यूज के अनुसार, इंस्टाग्राम अकाउंट पोस्ट में लिखा गया, रॉब हॉलैंड विमानन इतिहास में सबसे सम्मानित और प्रेरणादायक एरोबैटिक पायलटों में से एक थे। वह विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका एकमात्र लक्ष्य बस कल की तुलना में और बेहतर करना था।

संघीय विमानन प्रशासन के अनुसार, दुर्घटना गुरुवार दोपहर से कुछ पहले हुई। वन सीटर प्रायोगिक एमएक्स एयरक्राफ्ट एमएक्सएस उस समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया जब रॉब बेस पर उतरने का प्रयास कर रहे थे। हादसे की जांच की जा रही है।

हॉलैंड को शनिवार और रविवार को बेस पर होने वाले एयर पावर ओवर हैम्पटन रोड्स एयरशो में हिस्सा लेना था। हॉलैंड की वेबसाइट के अनुसार, वह 13 बार यूएस नेशनल एरोबैटिक चैंपियन रहे। शो के आयोजनकर्ता इंटरनेशनल एरोबैटिक क्लब के अध्यक्ष जिम बॉर्के ने बयान में कहा, रॉब को एक दोस्त, एक मार्गदर्शक, एक नेता और एक नवप्रवर्तक के रूप में याद किया जाएगा। रॉब के परिवार के दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।

उल्लेखनीय है कि लैंगली एयर फोर्स बेस चेसापीक खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी किनारे के पास स्थित है। यह प्रतिष्ठान एफ-22 रैप्टर लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन का घर है। उनमें से एक ने 2023 में अटलांटिक के ऊपर एक चीनी जासूसी गुब्बारे को मार गिराया था।

पोप फ्रांसिस के ताबूत को सील करने की रस्म की तैयारी शुरू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी दर्शन, अंतिम संस्कार कल

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के शनिवार को होने वाले राजकीय अंतिम संस्कार से पहले उनके ताबूत को सील करने की रस्म की तैयारी शुरू कर दी गई है। रोमन चर्च के कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फैरेल दिवंगत पोप फ्रांसिस के ताबूत को सील करने की रस्म की अध्यक्षता करेंगे। इस धार्मिक रस्म में कई कार्डिनल और होली सी कार्यालय के अधिकारी शामिल होंगे। यह रस्म सेंट पीटर बेसिलिका में आज पूरी की जाएगी। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु भी अंतिम संस्कार के समय मौजूद रहेंगी।

वेटिकन न्यूज के अनुसार, बुधवार सुबह वेटिकन बेसिलिका को श्रद्धालुओं के लिए खोला गया। इसके बाद से 24 घंटों में 50,000 से अधिक लोग पोप के अंतिम दर्शन के लिए कन्फेशन की वेदी के सामने से गुजरे। सेंट पीटर बेसिलिका गुरुवार सुबह 5:30 बजे तक खुली रही। डेढ़ घंटे बाद इसे दोबारा खोला गया। ताबूत को सील करने के अनुष्ठान के दौरान कार्डिनल जियोवानी बतिस्ता रे, पिएत्रो पारोलिन, रोजर महोनी, डोमिनिक मैम्बर्टी, मौरो गैम्बेटी, बाल्डासारे रीना और कोनराड क्रेजवेस्की भी मौजूद रहेंगे। इनके अलावा आर्कबिशप एडगर पेना पारा, आर्कबिशप इल्सन डी जीसस मोंटानारी, मोनसिग्नोर लियोनार्डो सैपिएन्ज़ा, वेटिकन चैप्टर के कैनन, वेटिकन के साधारण माइनर पेनिटेंटियरीज, दिवंगत पोप के सचिव और पोंटिफिकल लिटर्जिकल समारोह के मास्टर और आर्कबिशप डिएगो रवेली इस रस्म के दौरान मदद करेंगे।

भारत की राष्ट्रपति दो दिन रहेंगी वेटिकन सिटी में

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए 25 और 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में रहेंगी। भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को आधिकारिक बयान में यह घोषणा की। राष्ट्रपति मुर्मु पोप के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी और सरकार और भारत के लोगों की ओर से संवेदना व्यक्त करेंगी। 25 अप्रैल को राष्ट्रपति वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका में दिवंगत पोप को श्रद्धांजलि देंगी। 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्क्वायर में अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। अंतिम संस्कार में कई वैश्विक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी रहेंगे मौजूद

वेटिकन ने गुरुवार को कहा कि कम से कम 130 विदेशी प्रतिनिधिमंडलों ने पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने की पुष्टि की है। इनमें 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 सम्राट शामिल हैं, जिनमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के राजा फेलिप (षष्ठम) और रानी लेटिजिया और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा प्रमुख हैं।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने शोक व्यक्त किया

पोप फ्रांसिस के निधन पर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शोक व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि भारत के लोगों के प्रति पोप का स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुख हुआ है। दुख और स्मरण की इस घड़ी में, वैश्विक कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा था कि पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में लाखों लोग हमेशा करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद रखेंगे। छोटी उम्र से ही उन्होंने प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों को साकार करने के लिए खुद को समर्पित कर दिया। उन्होंने गरीबों और वंचितों की लगन से सेवा की। जो लोग पीड़ित थे, उनके लिए उन्होंने आशा की भावना जगाई।

भारत में शनिवार को अंतिम संस्कार के सम्मान में राजकीय शोक प्रधानमंत्री ने कहा था, भारत के लोगों के प्रति उनका स्नेह हमेशा संजोकर रखा जाएगा। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को विदेश और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए नई दिल्ली स्थित अपोस्टोलिक नन्सिएचर का दौरा किया। इससे पहले भारत ने पोप के निधन पर तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया। भारत ने गुरुवार को घोषणा की कि 26 अप्रैल को पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के सम्मान में राजकीय शोक मनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि पूरे भारत में उन सभी भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा, जहां इसे नियमित रूप से फहराया जाता है और कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि पोप फ्रांसिस 13 मार्च, 2013 को पोप बेनेडिक्ट (सोलहवें) से पदभार ग्रहण करने के बाद रोमन कैथोलिक चर्च का नेतृत्व करने वाले पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे।

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, ट्रंप ने कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना ??है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा। दोनों देशों के बीच समझौता अभी भी संभव है।

एबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है। ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं। ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं? उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया।ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी।

पहलगाम नरसंहार के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : केंद्रीयमंत्री सुकांत मजूमदार

आईबी अधिकारी मनीष रंजन मिश्रा की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

कोलकाता। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए पश्चिम बंगाल के आईबी अधिकारी मनीष रंजन मिश्रा की अंतिम यात्रा में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आतंकियों को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि इस नृशंस हत्याकांड के पीछे जो भी आतंकवादी और उनके सरगना शामिल हैं, उन्हें किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।मनीष मिश्रा उन तीन पर्यटकों में शामिल हैं, जिनकी मंगलवार को आतंकियों ने बेरहमी से हत्या कर दी थी। गुरुवार सुबह उनका पार्थिव शरीर रांची एयरपोर्ट लाया गया, जहां से उनकी पत्नी शव लेकर पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला स्थित झलदा के लिए रवाना हुईं। झलदा मिश्रा का पैतृक निवास स्थान है, जहां उनका जन्म और स्कूली जीवन बीता था।जब उनका पार्थिव शरीर झालदा पहुंचा, तो पूरे नगर के लोग सड़कों पर उतर आए और शव वाहन के पीछे चलने लगे। स्थानीय लोगों ने गुरुवार को मनीष मिश्रा की याद में सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक 12 घंटे का बंद भी रखा।झलदा में आयोजित अंतिम यात्रा में सुकांत मजूमदार भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा, पहलगाम में जो हुआ वह अत्यंत भयावह था। मैं उस समय संयोगवश पुरुलिया में ही था, इसलिए इस बहादुर सपूत को श्रद्धांजलि देने आया। पूरे देश को यह जानना चाहिए कि पर्यटकों को चुन-चुन कर मारा गया। मनीष मिश्रा की हत्या इसलिए कर दी गई क्योंकि वे %कलमा% नहीं पढ़ सके। इसके बावजूद कुछ नेता आज भी कह रहे हैं कि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। ऐसे नेता सच्चाई से मुंह चुरा रहे हैं। मनीष मिश्रा फिलहाल हैदराबाद में तैनात थे और वहीं अपने परिवार - पत्नी, बेटे और बेटी - के साथ रहते थे। उनका पहले झारखंड की राजधानी रांची में पदस्थापन था, हाल ही में उन्हें हैदराबाद स्थानांतरित किया गया था।परिवार के सदस्यों ने बताया कि मनीष 15 अप्रैल को अपने परिवार के साथ एक लंबी छुट्टी पर हैदराबाद से निकले थे। उनका उद्देश्य माता वैष्णो देवी मंदिर दर्शन करना भी था, लेकिन कश्मीर यात्रा के दौरान यह हमला हो गया। सरकारी एजेंसियां अब इस हमले की गहराई से जांच कर रही हैं और सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इस बर्बर हमले के गुनहगारों को हर हाल में सजा दी जाएगी।

व्यापार

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोना और चांदी के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। आज आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,230 रुपये से लेकर 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,040 रुपये से लेकर 90,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं, चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,230 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन पहले 10 मिनट के बाद ही बिकवालों ने अपना दबाव बना दिया। बिकवाली के दबाव के कारण दोनों सूचकांक लाल निशान में गिर कर कारोबार करने लगे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.80 प्रतिशत और निफ्टी 0.86 प्रतिशत की कमजोरी के साथ ट्रेड कर रहे थे।

सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, रिलायंस इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 4.99 प्रतिशत से लेकर 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट लिमिटेड, बजाज फिनसर्व और टेक महिंद्रा के शेयर 3.54 प्रतिशत से लेकर 0.98 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,061 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 330 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,731 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 4 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 26 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 15 शेयर हरे निशान में और 35 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 28.72 अंक की मामूली बढ़त के साथ 79,830.15 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक उछल कर 80,130.66 अंक तक पहुंच गया। हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 640.46 अंक टूट कर 79,160.97 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 42.30 अंक की तेजी के साथ 24,289 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक करीब 120 अंक की तेजी के साथ 24,365.45 अंक तक पहुंच गया। हालांकि यह तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से यह सूचकांक गिरता चला गया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 207.35 अंक की कमजोरी के साथ 24,039.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सेंसेक्स 315.06 अंक यानी 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 79,801.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 82.25 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,246.70 अंक के स्तर पर गुरुवार के कारोबार का अंत किया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569